संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 167
पृष्ठ 8
रविवार
08 मार्च 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- तलवे रहें स्वस्थ और सुंदर

विचार- खामेनेई की विरासत पर सवाल...

खेल- भारत फाइनल जीता तो टी20...

पीएम मोदी ने गिनाई कोटा की खूबियां, बोले

नया एअरपोर्ट इस क्षमता को देगा नई उड़ान

नयी दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शिक्षा, ऊर्जा और विरासत के केंद्र के रूप में कोटा के महत्व पर जोर दिया। समारोह के दौरान एक वीडियो संदेश में, पीएम मोदी ने कहा कि यह क्षेत्र परमाणु, कोयला, गैस और जलविद्युत सहित कई स्रोतों से बिजली का उत्पादन करता है। प्रधानमंत्री ने हाड़ौती क्षेत्र की समृद्ध विरासत और पारंपरिक उत्पादों की प्रशंसा करते हुए कोटा कचौरी और कोटा डोरिया साड़ियों जैसी विशिष्टताओं का विशेष रूप से उल्लेख किया। उन्होंने कोटा स्टोन और सैंडस्टोन जैसी विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त सामग्रियों का भी जिक्र किया। पीएम मोदी ने कहा कि इस क्षेत्र के कृषि उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त है, और उन्होंने स्थानीय धनिया और बूंदी के बासमती चावल के निर्यात का उदाहरण दिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कोटा न केवल शिक्षा का केंद्र है, बल्कि ऊर्जा का भी एक प्रमुख केंद्र है। यह एक अनूठा क्षेत्र है जहाँ परमाणु, कोयला, गैस और जल सहित लगभग सभी स्रोतों से बिजली उत्पन्न होती है। हाड़ौती की यह भूमि अपनी विरासत के लिए भी उतनी ही प्रसिद्ध है। कोटा कचौरी के स्वाद और कोटा डोरिया साड़ियों की भव्यता से लेकर कोटा स्टोन और सैंडस्टोन की वैश्विक पहचान तक, इस क्षेत्र ने विश्व स्तर पर अपनी छाप छोड़ी है। स्थानीय धनिये की सुगंध और बूंदी के बासमती चावल अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच चुके हैं। यह क्षेत्र अपनी मेहनत, उत्पादन और क्षमता के लिए जाना जाता है। नया कोटा हवाई अड्डा इस क्षमता को कई गुना बढ़ा देगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाड़ौती क्षेत्र को शिक्षा, उद्योग, उद्यम और आस्था का केंद्र बताया और कहा कि सदियों से श्रद्धालु श्री मथुराधि जी, केशव राय पाटन और गोदावरी बालाजी धाम जैसे पवित्र स्थलों पर दर्शन के लिए आते रहे हैं। पीएम मोदी ने गराडिया महादेव से चंबल नदी के दृश्य सहित क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता का भी उल्लेख किया। उन्होंने मुकुंदरा हिल्स और रामगढ़ विषधारी जैसे वन्यजीव अभयारण्यों का भी जिक्र किया, जो इस क्षेत्र को वन्यजीव पर्यटन का एक प्रमुख केंद्र बनाते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कोटा और हाड़ौती की भूमि उद्यम और आस्था का एक महत्वपूर्ण केंद्र है। सदियों से, देश और दुनिया भर के श्रद्धालु श्री मथुराधी जी के पवित्र स्थान, केशव राय पाटन के तीर्थस्थल, खाड़े गणेश जी महाराज और गोदावरी बालाजी धाम के दर्शन के लिए आते रहे हैं।

यूपी आज जो कुछ भी कर पा रहा है, उसके पीछे है पं. गोविंद बल्लभ पंत की सोच : सीएम योगी

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देश के पूर्व गृह मंत्री व उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री 'भारत रत्न' पंडित गोविंद बल्लभ पंत की पुण्यतिथि पर शनिवार को श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने लोकभवन स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए और उन्हें भारत मां का महान सपूत, प्रख्यात स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, कुशल अधिवक्ता व सुयोग्य प्रशासक बताया। सीएम ने कहा कि पं. गोविंद बल्लभ पंत के कार्य हमारे लिए प्रेरणास्रोत हैं, जो हमारा मार्गदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने अपने समय में उत्तर प्रदेश के विकास व सुधार के लिए अनेक कदम उठाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंडित गोविंद बल्लभ पंत का जन्म वर्तमान उत्तराखंड में हुआ था, उस समय उत्तराखंड संयुक्त प्रांत का हिस्सा था। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के आह्वान पर वह वकालत छोड़कर स्वाधीनता संग्राम में कूद पड़े थे। जब देश गुलाम था, तब 1937 में उत्तर प्रदेश के प्रीमियर के रूप में उनका चयन हुआ था। उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री के रूप में पं. गोविंद बल्लभ पंत जी का स्मरण सभी करते हैं। सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में पंत जी ने विकास की जो आधारशिला रखी और जो विजन प्रस्तुत किया, उसका अनुसरण करते हुए उत्तर प्रदेश आज भारत की अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार बना हुआ है। यूपी आज जो कुछ भी कर पा रहा है, उसके पीछे पं. गोविंद बल्लभ पंत की सोच है। उन्होंने अपने समय में उत्तर प्रदेश के विकास व सुधार के लिए अनेक कदम उठाए। उन्होंने गृह मंत्री के रूप में देश को अमूल्य सेवाएं दीं। राजभाषा हिंदी के प्रोत्साहन, प्रचार-प्रसार में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका थी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का महिला दिवस पर बड़ा संदेश- शिक्षित महिलाएं ही प्रगतिशील राष्ट्र की ताकत हैं

नयी दिल्ली (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि शिक्षित और सशक्त महिलाएं एक समृद्ध और प्रगतिशील राष्ट्र में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं। शनिवार को जारी एक संदेश में राष्ट्रपति ने जोर देकर कहा कि महिलाएं हमारे समाज और राष्ट्र की नींव हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि महिलाओं ने शिक्षा, विज्ञान, खेल, कला और रक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा और कड़ी मेहनत का प्रदर्शन किया है।

शिक्षित, आत्मनिर्भर और सशक्त महिलाओं के एक समृद्ध और प्रगतिशील राष्ट्र में महत्वपूर्ण योगदान देने का उल्लेख करते हुए मुर्मू ने कहा कि युवा महिलाएं एक नए भारत के सपनों को आकार दे रही हैं, और उन्हें उचित अवसरों, मार्गदर्शन और प्रोत्साहन की आवश्यकता है। राष्ट्रपति ने कहा, "आइए हम सब मिलकर एक ऐसे समाज की दिशा में काम करें जहां महिलाओं को समान अवसर मिलें और वे अपनी क्षमताओं के आधार पर आगे बढ़ सकें और सफलता प्राप्त कर सकें।"

बेटियों को सशक्त बनाना हर परिवार और समाज की जिम्मेदारी : रेखा गुप्ता

नयी दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को कहा कि बेटियों को पढ़ाना, उन्हें सशक्त बनाना तथा समाज में उनके योगदान को मान्यता देना हर परिवार और समाज की जिम्मेदारी है। श्रीमती गुप्ता ने आज यहां श्भारती नारी से नारायणीश कार्यक्रम में कहा, ष्प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज नारी शक्ति राष्ट्र निर्माण की एक मजबूत शक्ति बनकर उभर रही है। महिलाओं को सशक्त बनाना हम सभी की साझा जिम्मेदारी है। दिल्ली में लखपति बिटिया योजना, सहेली पिंक स्मार्ट कार्ड, कोलेट्रल-फ्री लोन और नाइट शिफ्ट में काम करने की अनुमति जैसे कदमों के माध्यम से नारी शक्ति को सुरक्षित, सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने अपने जीवन की कठिनाइयों और संघर्षों का भी जिक्र किया कि कैसे एक छोटे और साधारण परिवार की बेटी ने मेहनत और हिम्मत के दम पर दिल्ली की मुख्यमंत्री की कुर्सी तक का सफर तय किया। उन्होंने महिलाओं से कहा कि वे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहें। समाज में बदलाव लाएं और खुद की पहचान बनाएं। उन्होंने जोर दिया कि मेहनत, साहस और लगन से कोई भी लड़की अपने जीवन में बड़ी उपलब्धियां हासिल कर सकती है।

दिल्ली की सरकार दया पर टिकी, ज्यादा दबाव डाला तो गिरा दूंगी : सीएम ममता

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपने धरना कार्यक्रम के दूसरे दिन केंद्र सरकार और भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि अगर ज्यादा दबाव बनाया गया तो वह दिल्ली की सरकार भी गिरा सकती हैं। उन्होंने कहा, मैं जानती हूं चंद्रबाबू नायडू की दया पर तुम्हारी सरकार बनी हुई है। कोलकाता में जारी धरना मंच से मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा को सावधान रहना चाहिए, क्योंकि बंगाल की जनता को कमजोर समझने की भूल नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि "वोट काटकर बंगाल को बांटने की कोशिश पहले भी की गई, लेकिन यह सफल नहीं हो सकी। बंगाल लड़ना जानता है और यहां के लोग लोकतंत्र की रक्षा करना भी जानते हैं। ममता बनर्जी ने केंद्र की गठबंधन राजनीति पर भी टिप्पणी करते हुए कहा कि दिल्ली की मौजूदा सरकार सहयोगी दलों के सहारे टिकी हुई है।

केदारनाथ से कन्याकुमारी तक घुसपैठियों को किया जाएगा बाहर : शाह

हरिद्वार, एजेंसी। उत्तराखंड के हरिद्वार में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को यहां बैरागी कैंप में आयोजित श्जन-जन की सरकार, चार साल बेमिसालश कार्यक्रम में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार केदारनाथ से कन्याकुमारी तक एक-एक घुसपैठिये को देश से बाहर करने के लिए संकल्पबद्ध होकर कार्य कर रही है।

श्री शाह ने अपने संबोधन की शुरुआत उत्तराखंड राज्य आंदोलन के संदर्भ से करते हुए कहा कि राज्य निर्माण के लिए उत्तराखंड के युवाओं को अपनी पहचान, संस्कृति और अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बनने के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने उत्तराखंड के साथ झारखंड और छत्तीसगढ़ जैसे नए राज्यों के गठन का ऐतिहासिक निर्णय लिया, जो आज तेजी से विकास के पथ पर आगे बढ़ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि 2017 से अब तक का समय उत्तराखंड के विकास को समर्पित रहा है और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य की समस्याओं को चुन-चुन कर समाप्त करने का कार्य किया है। इससे उत्तराखंड दोगुनी रफ्तार से विकास के मार्ग पर आगे बढ़ रहा है।

गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में अंग्रेजों के समय के पुराने कानूनों को बदलकर नई न्याय संहिता लागू की जा रही है। इसके पूरी तरह लागू होने के बाद एफआईआर दर्ज होने से लेकर उच्चतम न्यायालय तक फैसला आने में अधिकतम तीन वर्ष का समय लगेगा। उन्होंने नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के तहत भारत की नागरिकता प्राप्त करने वाले शरणार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान से आए हिंदू, सिख, बौद्ध और जैन शरणार्थियों को भारत में सम्मानपूर्वक नागरिकता दी जा रही है।

श्री शाह ने उत्तराखंड में लागू नकल विरोधी कानून की सराहना करते हुए कहा कि अब राज्य में बिना पर्चा और बिना खर्चा के युवाओं को सरकारी नौकरियां मिल रही हैं। उन्होंने हाल ही में उत्तराखंड पुलिस में नियुक्ति पाने वाले 1900 युवाओं को भी बधाई दी।

गृह मंत्री ने कहा कि 2027 में हरिद्वार में आयोजित होने वाला कुंभ मेला नए रिकॉर्ड स्थापित करेगा। साथ ही केंद्र सरकार की वाइब्रेंट विलेज योजना सीमांत गांवों के विकास और पलायन रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

घरेलू एलपीजी सिलेंडर 60 रुपये, वाणिज्यिक सिलेंडर 114.50 रुपये महंगा

नयी दिल्ली, एजेंसी। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल तथा गैस की कीमतों में भारी वृद्धि और डॉलर की तुलना में रुपये में जारी गिरावट के कारण तेल विपणन कंपनियों ने शनिवार से रसोई गैस (एलपीजी) के दाम बढ़ा दिये हैं। देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन की वेबसाइट के अनुसार, 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कीमत में आज से 60 रुपये की बढ़ोतरी की गयी है जबकि 19 किलोग्राम वाला वाणिज्यिक रसोई गैस सिलेंडर 114.50 रुपये महंगा हो गया है। दिल्ली में 07 मार्च से घरेलू एलपीजी सिलेंडर 913 रुपये का मिलेगा। यह जुलाई 2023 के बाद का उच्चतम स्तर है। कोलकाता में इसकी नयी कीमत 939 रुपये, मुंबई में 912.50 रुपये और चेन्नई में 928.50 रुपये हो गयी है। घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम में 11 महीने बाद कोई बदलाव किया गया है। इससे पहले 08 अप्रैल 2025 को इसकी कीमत 50 रुपये बढ़ाकर 853 रुपये प्रति सिलेंडर की गयी थी। वाणिज्यिक रसोई गैस सिलेंडर की कीमत दिल्ली में 1,768.50 रुपये से बढ़कर अब 1,883 रुपये हो गयी है जो अप्रैल 2023 के बाद सबसे अधिक है। वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर लगातार चौथी बार महंगा हुआ है। छह दिन पहले 01 मार्च को भी दिल्ली में इसके मूल्य में 28 रुपये की वृद्धि की गयी थी। कोलकाता में आज से 19 किलोग्राम वाला एलपीजी सिलेंडर 1,990 रुपये का, मुंबई में 1,835 रुपये का और दिल्ली में 2,43.50 रुपये का हो गया है। चारों महानगरों में रसोई गैस के दाम में एक समान वृद्धि की गयी है। उल्लेखनीय है कि पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण कच्चे तेल और गैस का उत्पादन तथा वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बाधित हुई है। इससे इनकी कीमतों में जबरदस्त उछाल आया है। साथ ही रुपया भी ऐतिहासिक निचले स्तर पर है।

अवंतीपोरा में डीजीपी नलिन प्रभात का सख्त संदेश, कहा

आतंकवाद-ड्रग के खिलाफ तेज हो ऑपरेशन

नयी दिल्ली (एजेंसी)। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नलिन प्रभात ने शनिवार को अवंतीपोरा में एक व्यापक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें क्षेत्र की मौजूदा सुरक्षा स्थिति, आतंकवाद-विरोधी अभियानों और समग्र कानून व्यवस्था का आकलन किया गया। जम्मू और कश्मीर पुलिस द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, प्रभात के साथ विशेष महानिदेशक समन्वय, पीएचक्यू जम्मू-कश्मीर, एसजेएम गिलानी-आईपीएस, पुलिस महानिरीक्षक कश्मीर जोन, वीके बर्डी-आईपीएस और डीआईजी एसकेआर जावेद इकबाल मट्टू-आईपीएस भी मौजूद थे। समीक्षा बैठक अवंतीपोरा जिला पुलिस कार्यालय में आयोजित की गई और इसमें एसएसपी अवंतीपोरा, अतिरिक्त एसपी अवंतीपोरा, सभी एसडीपीओ और डिप्टी एसपी एसओजी सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। बैठक के दौरान, डीजीपी ने चल रहे आतंकवाद विरोधी अभियानों (गतिशील और गैर-गतिशील दोनों) पर ध्यान देते हुए मौजूदा सुरक्षा स्थिति की विस्तृत समीक्षा की।

रूसी तेल पर यूएस की 'छूट'? केंद्र का दो टूक जवाब- हमें किसी की अनुमति नहीं चाहिए

नयी दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने शनिवार को कहा कि ईरान-अमेरिका-इजराइल युद्ध के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव जारी रहने के बावजूद, भारत सबसे प्रतिस्पर्धी कीमतों की पेशकश करने वाले स्रोत से कच्चे तेल की खरीद जारी रखेगा। सरकार ने एक बयान में कहा कि व्यवधानों के बावजूद भारत की ऊर्जा आपूर्ति सुरक्षित बनी हुई है। केंद्र सरकार ने एक बयान में कहा कि होर्मुज मार्ग पर बढ़ते तनाव के बावजूद, भारत की ऊर्जा आपूर्ति सुरक्षित और स्थिर बनी हुई है। भारत ने कच्चे तेल के स्रोतों को 27 से बढ़ाकर 40 देशों तक कर लिया है, जिससे कई वैकल्पिक आपूर्ति मार्ग सुनिश्चित हो गए हैं। राष्ट्रीय हित में, भारत तेल वहीं से खरीदता है जहां सबसे प्रतिस्पर्धी और किफायती दरें उपलब्ध हों। भारत ने शनिवार को यह भी पुष्टि की कि वह मध्य पूर्व में चल रहे युद्ध के कारण अमेरिका द्वारा दी गई अस्थायी छूट का हवाला देते हुए रूसी तेल का आयात जारी रखेगा। केंद्र ने कहा कि नई दिल्ली को इस तरह की खरीद के लिए किसी भी देश से अनुमति की आवश्यकता नहीं है। केंद्र ने कहा कि भारत ने रूसी तेल खरीदने के लिए कभी भी किसी देश की अनुमति पर निर्भर नहीं किया है। भारत फरवरी 2026 में भी रूसी तेल का आयात जारी रखेगा और रूस अभी भी भारत का सबसे बड़ा कच्चे तेल का आपूर्तिकर्ता है। रूस-यूक्रेन युद्ध के तीन वर्षों के दौरान, भारत ने अमेरिका और यूरोपीय संघ की आपत्तियों के बावजूद रूसी तेल खरीदना जारी रखा। रियायती कीमतों और रिफाइनरी की मांग के कारण 2022 के बाद आयात में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

केंद्र सरकार के अनुसार, भारत के पास कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों का भंडार है, जो भंडार और आपूर्ति श्रृंखला दोनों में 25 करोड़ बैरल से अधिक है। यह भंडार 7 से 8 सप्ताह की खपत के बराबर है। भारत की कुल शोधन क्षमता 25 करोड़ मीट्रिक टन प्रति वर्ष है, जो वर्तमान घरेलू मांग से अधिक है। अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई और खाड़ी देशों में तेहरान के जवाबी हमलों ने वैश्विक ऊर्जा प्रवाह और समुद्री मार्गों को बाधित कर दिया है, जिससे तेल की कीमतों में भारी उछाल आया है।

पति की वास्तविक आय व शारीरिक परिस्थितियों के आधार पर तय हो गुजारा भत्ता

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गुजारा भत्ते के एक मामले में कहा कि भरण–पोषण की राशि पति की वास्तविक आय और उसकी शारीरिक परिस्थितियों के आधार पर तय होनी चाहिए।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गुजारा भत्ते के एक मामले में कहा कि भरण–पोषण की राशि पति की वास्तविक आय और उसकी शारीरिक परिस्थितियों के आधार पर तय होनी चाहिए। इस टिप्पणी संग न्यायमूर्ति मदन पाल सिंह की अदालत ने मुजफ्फरनगर के प्रधान पारिवारिक न्यायालय से निर्धारित दो हजार रुपये प्रतिमाह के गुजारा भत्ते को सही मानते हुए पत्नी की पुनरीक्षण याचिका खारिज कर दी। मुजफ्फरनगर के पारिवारिक न्यायालय ने पति की मासिक आय पांच हजार रुपये मानते हुए पत्नी को दो हजार रुपये गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया था। इसके

खिलाफ पत्नी ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। दलील दी कि परिवार न्यायालय ने अंतरिम गुजारा भत्ता तीन हजार रुपये तय किया था, जबकि अंतिम निर्णय में इसे घटाकर दो हजार रुपये कर दिया। पत्नी ने दावा किया था कि पति के पास 40 बीघा कृषि भूमि है और वह संपन्न है। हालांकि, कोर्ट ने पाया कि पत्नी अपने दावों के समर्थन में कोई दस्तावेजी साक्ष्य पेश नहीं कर सकी। वहीं, उपलब्ध अभिलेखों से स्पष्ट हुआ कि पति 2017 में एक सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गया था और वर्तमान में अपने पिता की मेडिकल दुकान पर सहायक के रूप में काम कर रहा है। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए कहा कि पति की आय का 25 प्रतिशत हिस्सा (जो इस मामले में 1250 रुपये होता है) गुजारा भत्ते के लिए उचित माना जाता है। ऐसे में 2,000 रुपये की राशि पहले से ही पर्याप्त है। लिहाजा, परिवार न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप का कोई कानूनी आधार नहीं है।

मां–पिता के सपनों को किया साकार, निवेदिता ने यूपीएससी में पाई सफलता

प्रयागराज। संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा–2025 में सिसई सिपाह, बहरिया स्थित प्राथमिक विद्यालय की सहायक अध्यापिका पूनम कुमारी की पुत्री निवेदिता चंद्रा ने 855वीं रैंक प्राप्त कर परिवार और जिले का मान बढ़ाया है। संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा–2025 में सिसई सिपाह, बहरिया स्थित प्राथमिक विद्यालय की सहायक अध्यापिका पूनम कुमारी की पुत्री निवेदिता चंद्रा ने 855वीं रैंक प्राप्त कर परिवार और जिले का मान बढ़ाया है। बलिया के उचेरा की रहने वाली पूनम कुमारी

वर्तमान में प्रयागराज के सिविल लाइंस क्षेत्र में परिवार के साथ रहती हैं। उनके पति दीनानाथ जिला समाज कल्याण अधिकारी थे। वर्ष 2021 में डेंगू की चपेट में आने से उनका निधन हो गया था। जिसके बाद दोनों टूट गए। इस घटना के बाद मां ने बेटी को फिर से हौसला दिया। जिसके बाद निवेदिता चंद्रा ने सफलता पाई है। निवेदिता चंद्रा ने हाईस्कूल (2013) और इंटरमीडिएट (2015) की शिक्षा गर्ल्स हाई स्कूल एंड कॉलेज से पूरी की। इसके बाद उन्होंने बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मेसरा, रांची से वर्ष 2019 में मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बीटेक की डिग्री प्राप्त की। स्नातक के बाद उन्होंने सिविल सेवा की तैयारी शुरू की। वर्ष 2021 बैच में यूपी पीएससी के माध्यम से डिप्टी एसपी पद पर चयनित हुईं। वर्ष 2023 में संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में सफलता प्राप्त कर वह आईआरटीएस (भारतीय रेलवे यातायात सेवा) में चयनित हुईं। वर्तमान में वह लखनऊ में रेलवे अधिकारी के रूप में प्रशिक्षण ले रही हैं। निवेदिता के भाई मिलिंद चंद्रा दिल्ली में चंद्रा सॉल्यूशंस फर्म के साथ इन्चेंटर के रूप में काम कर रहे हैं। पूनम कुमारी ने कहा कि बेटी की सफलता से वह बेहद गौरवान्वित हैं। उन्होंने बताया कि निवेदिता ने अपने पिता और मेरे के सपनों को साकार किया है।

दिल्ली और मुंबई रूट की ट्रेनों में अगले कई दिन नहीं हैं कंफर्म टिकट

प्रयागराज। होली का उल्लास मनाने के बाद अब कामकाज के लिए लौटने वाले यात्रियों की राह कठिन हो गई है। दिल्ली और मुंबई जाने वाली सभी नियमित ट्रेनों में लंबी वेटिंग लिस्ट है। रविवार को दिल्ली रूट की ट्रेनों में इस सीजन की सर्वाधिक भीड़ उमड़ने का अनुमान है, जिसके लिए रेलवे प्रशासन ने कमर कस ली है। दिल्ली की ओर जाने वाली ट्रेनों की स्थिति सबसे ज्यादा खराब है। रविवार को प्रयागराज एक्सप्रेस, रीवा एक्सप्रेस, पुरुषोत्तम और शिवगंगा एक्सप्रेस की तमाम श्रेणियों में नो रूम की स्थिति बन गई है। स्लीपर तो दूर, एसी कोचों में भी वेटिंग का आंकड़ा काफी अधिक है। हालांकि, रेलवे प्रशासन की ओर से संचालित प्रयागराज–दिल्ली स्पेशल ट्रेन ने थोड़ी राहत दी है।

इस स्पेशल ट्रेन के चलने से प्रयागराज एक्सप्रेस के जनरल कोचों में होने वाली बेतहाशा भीड़ में कुछ कमी दर्ज की गई है। शुक्रवार को भी प्रयागराज एक्सप्रेस के जनरल कोच में सवार होने के लिए शाम से ही प्लेटफॉर्म नंबर एक पर यात्रियों की लाइन लगनी शुरू हो गई। सिर्फ दिल्ली ही नहीं, आर्थिक राजधानी मुंबई की राह भी आसान नहीं है। संगम नगरी से गुजरने वाली महानगरी एक्सप्रेस, मुंबई मेल, पवन एक्सप्रेस, गोदान, काशी एक्सप्रेस, कामायनी एक्सप्रेस में भी अगले कई दिनों तक कंफर्म टिकट मिलना मुश्किल है। यात्रियों को तत्काल कोटा या स्पेशल ट्रेनों का ही सहारा बचा है। नवी मुंबई स्थित एक मल्टीनेशनल कंपनी में कार्यरत अमित श्रीवास्तव ने बताया कि वह होली पर प्रयागराज तो आ गए लेकिन अब वापसी की राह मुश्किल है। टिकट कंफर्म नहीं मिल रहा है। हवाई किराया भी 10 हजार के ऊपर है। इसी तरह म्योराबाद की निधि ने बताया कि उनके भाई को पुणे जाना है। ट्रेन में जगह न होने की वजह से से हवाई सफर पर विचार किया जा रहा है।

दिल्ली और मुंबई रूट की ट्रेनों में अगले कई दिन नहीं हैं कंफर्म टिकट, होली के बाद कठिन हुई डगर

प्रयागराज। होली का उल्लास मनाने के बाद अब कामकाज के लिए लौटने वाले यात्रियों की राह कठिन हो गई है। दिल्ली और मुंबई जाने वाली सभी नियमित ट्रेनों में लंबी वेटिंग लिस्ट है। रविवार को दिल्ली रूट की ट्रेनों में इस सीजन की सर्वाधिक भीड़ उमड़ने का अनुमान है, जिसके लिए रेलवे प्रशासन ने कमर कस ली है। होली का उल्लास मनाने के बाद अब कामकाज के लिए लौटने वाले यात्रियों की राह कठिन हो गई है। दिल्ली और मुंबई जाने वाली सभी नियमित ट्रेनों में लंबी वेटिंग लिस्ट है। रविवार को दिल्ली रूट की ट्रेनों में इस सीजन की सर्वाधिक भीड़ उमड़ने का अनुमान है, जिसके लिए रेलवे प्रशासन ने कमर कस ली है।

दिल्ली की ओर जाने वाली ट्रेनों की स्थिति सबसे ज्यादा खराब है। रविवार को प्रयागराज एक्सप्रेस, रीवा एक्सप्रेस, पुरुषोत्तम और शिवगंगा एक्सप्रेस की तमाम श्रेणियों में नो रूम की स्थिति बन गई है। स्लीपर तो दूर, एसी कोचों में भी वेटिंग का आंकड़ा काफी अधिक है। हालांकि, रेलवे प्रशासन की ओर

से संचालित प्रयागराज–दिल्ली स्पेशल ट्रेन ने थोड़ी राहत दी है। इस स्पेशल ट्रेन के चलने से प्रयागराज एक्सप्रेस के जनरल कोचों में होने वाली बेतहाशा भीड़ में कुछ कमी दर्ज की गई है। शुक्रवार को भी प्रयागराज एक्सप्रेस के जनरल कोच में सवार होने के लिए शाम से ही प्लेटफॉर्म नंबर एक पर यात्रियों की लाइन लगनी शुरू हो गई।

मुंबई जाने वाली ट्रेनों में लंबी प्रतीक्षा सूची

सिर्फ दिल्ली ही नहीं, आर्थिक राजधानी मुंबई की राह भी आसान नहीं है। संगम नगरी से गुजरने वाली महानगरी एक्सप्रेस, मुंबई मेल, पवन एक्सप्रेस, गोदान, काशी एक्सप्रेस, कामायनी एक्सप्रेस में भी अगले कई दिनों तक कंफर्म टिकट मिलना मुश्किल है। यात्रियों को तत्काल कोटा या स्पेशल ट्रेनों का ही सहारा बचा है।

नवी मुंबई स्थित एक मल्टीनेशनल कंपनी में कार्यरत अमित श्रीवास्तव ने बताया कि वह होली पर प्रयागराज तो आ गए लेकिन अब वापसी की राह मुश्किल है। टिकट कंफर्म नहीं मिल रहा है। हवाई किराया भी 10 हजार के ऊपर है। इसी तरह म्योराबाद की निधि ने बताया कि उनके भाई को पुणे जाना है। ट्रेन में जगह न होने की वजह से से हवाई सफर पर विचार किया जा रहा है।

रविवार को यात्रियों की भीड़ का अनुमान

रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, रविवार को अन्य दिनों के मुकाबले ज्यादा भीड़ हो सकती है। छुट्टी खत्म होने के बाद सोमवार से दफ्तर खुलने के कारण ज्यादातर लोग रविवार की यात्रा को प्राथमिकता दे रहे हैं। प्रयागराज मंडल के पीआरओ अमित कुमार सिंह ने बताया कि स्पेशल ट्रेनें भी चलाई जा रही हैं। यात्री जानकारी लेकर टिकट बुक कराकर यात्रा कर सकते हैं।

1.40 लाख अधिक से शिक्षक करेंगे यूपी बोर्ड परीक्षा की कॉपियों का मूल्यांकन

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद ने उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन को लेकर बोर्ड ने तैयारी तेज कर दी है। प्रदेश भर के 1.40 लाख से ज्यादा शिक्षक कॉपियों का मूल्यांकन करेंगे। हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षा 12 मार्च को समाप्त होगी।

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद ने उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन को लेकर बोर्ड ने तैयारी तेज कर दी है। प्रदेश भर के 1.40 लाख से ज्यादा शिक्षक कॉपियों का मूल्यांकन करेंगे। हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षा 12 मार्च को समाप्त होगी।

बताया गया कि संकलन केंद्रों से मूल्यांकन केंद्रों तक उत्तर पुस्तिकाएं ट्रकों से भेजी जाएंगी। ट्रक के साथ ड्यूटी पर लगाए गए कर्मचारियों के लिए अलग से वाहन की व्यवस्था रहेगी। ट्रक में किसी भी कर्मचारी के बैठने की अनुमति नहीं होगी।

उत्तर पुस्तिकाओं के

मूल्यांकन के लिए ऑनलाइन प्रक्रिया के जरिये परीक्षकों की नियुक्ति होगी। आवश्यकता पड़ने पर मूल्यांकन केंद्रों के उप नियंत्रक परिषद के पोर्टल पर उपलब्ध प्रतीक्षा सूची से भी परीक्षकों की ऑनलाइन नियुक्ति की जा सकेगी। परीक्षा केंद्रों के स्ट्रॉन्ग रूम की तरह ही कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से मूल्यांकन केंद्रों की भी लगातार निगरानी की जाएगी।

परिषद ने इस बार मूल्यांकन प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी किया है। पहली बार सभी विषयों की उत्तर पुस्तिकाओं के प्रत्येक पृष्ठ पर केंद्रवार गोपनीय न्यूमेरिक नंबर दर्ज किए गए हैं। परिषद के सचिव भगवती सिंह ने बताया कि मूल्यांकन अवधि में कला वर्ग का एक परीक्षक अधिकतम 800 कॉपियां जांच सकेगा। वहीं, विज्ञान वर्ग के इंटरमीडिएट में 600 और हाईस्कूल में 700 कॉपियां जांचने की सीमा तय की गई है। परीक्षकों के मानदेय में वृद्धि का कोई प्रस्ताव नहीं है, क्योंकि वर्ष 2019 और 2023 में पहले ही मानदेय बढ़ाया जा चुका है।

10वीं की एक कॉपी पर 14 और 12वीं की कॉपी पर 15 रुपये मानदेय

सचिव ने बताया कि मूल्यांकन कार्य में लगाए गए शिक्षकों को हाईस्कूल की एक कॉपी को जांचने के एवज में 14 रुपये और इंटर की कॉपी जांचने पर 15 रुपये मानदेय दिया जाएगा। एक परीक्षक 10वीं की रोजाना 50 और 12वीं की 45 कॉपियां जांच सकेगा।

सुबह से ही कड़क धूप, हर दिन बढ़ रही तपिश, मार्च में ही बढ़ने लगी गर्मी

प्रयागराज। मौसम का मिजाज हर दिन बदलने से सूरज की तल्खी बढ़ रही है। मार्च में ही सुबह से हो रही कड़क धूप से गर्मी बढ़ रही है। हर दिन बढ़ रहा तापमान परेशानी का कारण बनता जा रहा है। हाल यह है कि रात की गर्मी नींद पर भारी पड़ रही है।

मौसम का मिजाज हर दिन बदलने से सूरज की तल्खी बढ़ रही है। मार्च में ही सुबह से हो रही कड़क धूप से गर्मी बढ़ रही है। हर दिन बढ़ रहा तापमान परेशानी का कारण बनता जा रहा है। हाल यह है कि रात की गर्मी नींद पर भारी पड़ रही है। बिना पंखा चलाए लोगों को नींद नहीं आ रही है। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि यदि यही हाल रहा तो मार्च में अधिकतम तापमान 40 डिग्री के पार जा सकता है।

शुक्रवार को सुबह से ही तेज धूप खिली रही। दिन चढ़ने के

साथ ही धूप के तेवर भी बढ़ते रहे। इस दौरान सामान्य से अधिक गति से चलीं हवाओं ने लोगों को कुछ राहत दी। इसके बाद भी अधिकतम तापमान 33.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, न्यूनतम तापमान 16.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वातावरण में नमी का स्तर असंतुलित रहा। मौसम वैज्ञानिक इविवि के डॉ. शैलेश राय के मुताबिक आने वाले दिनों में कोई सिस्टम सक्रिय नहीं है, इसलिए तापमान में वृद्धि संभावित है।

बढ़ते तापमान के साथ मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ गया है। हाल यह है कि रात ही नहीं, दिन में भी मच्छर भनभना रहे हैं। ऑनलाइन शिकायतों की भरमार है, लेकिन नगर निगम कीटनाशक के छिड़काव और फॉगिंग के काम में तेजी नहीं ला रहा है। महापौर गणेश केसरवानी के मुताबिक फॉगिंग और मच्छरों से निजात के लिए प्रभावी उपाय करने के निर्देश दिए गए हैं।

सेहत पर भारी पड़ रही सर्दी–गर्मी

दिन में गर्मी और रात में हल्की सर्दी का मौसम लोगों की सेहत पर भारी पड़ रहा है। लोग सर्दी–जुकाम और छाती में जकड़ने के साथ बुखार से परेशान हैं। एसआरएन अस्पताल और चिल्ड्रेन अस्पताल की ओपीडी में सामान्य से अधिक भीड़ हो रही है। हर कक्ष में मरीजों का आंकड़ा 400 तक पहुंच रहा है। फिजीशियन डॉ. अनुभा श्रीवास्तव के मुताबिक खान–पान में सावधानी बरतने की जरूरत है। दिक्कत होने पर चिकित्सक के परामर्श पर ही दवा लें। नाक, कान और गला रोग विशेषज्ञ डॉ. राम सिया सिंह बताते हैं कि इस वक्त गले में खराश से हुई दिक्कत खांसी फिर बुखार तक पहुंच रही है। ऐसे मौसम में बच्चों को पानी उबाल कर दें और शीतल पेय पदार्थ देने से बचें। कहा कि मरीजों में बच्चों और बुजुर्गों की संख्या अधिक है।

अब नॉन–गजटेड कर्मचारी भी देंगे संपत्ति का ब्योरा, रेलवे बोर्ड ने जारी किया निर्देश

प्रयागराज। भारतीय रेलवे में भ्रष्टाचार पर लगाम कसने के लिए रेलवे बोर्ड ने बड़ा कदम उठाया है। अब रेलवे के उन सभी नॉन–गजटेड (अराजपत्रित) कर्मचारियों को अचल संपत्ति का वार्षिक रिटर्न दाखिल करना होगा, जो अब तक इस दायरे से बाहर समझे जाते थे। भारतीय रेलवे में भ्रष्टाचार पर लगाम कसने के लिए रेलवे बोर्ड ने बड़ा कदम उठाया है। अब रेलवे के उन सभी नॉन–गजटेड (अराजपत्रित) कर्मचारियों को अचल संपत्ति का वार्षिक रिटर्न दाखिल करना होगा, जो अब तक इस दायरे से बाहर समझे जाते थे। रेलवे बोर्ड ने इस संबंध में उत्तर मध्य रेलवे समेत सभी जोनल महाप्रबंधकों को निर्देश जारी किए हैं। रेलवे बोर्ड की ओर से जारी आदेश (आरबीई 19/2026) के अनुसार, ग्रुप सी के ऐसे कर्मचारी जिनका ग्रेड पे 4600 रुपये या उससे अधिक है, उन्हें अपनी और अपने परिवार के सदस्यों के नाम पर दर्ज संपत्ति का ब्योरा देना अनिवार्य है। इसमें विरासत में मिली संपत्ति, खुद खरीदी गई या लीज/मॉर्टगेज पर ली गई संपत्ति की जानकारी शामिल है। इस आदेश में केवल सुपरवाइजर ही नहीं, बल्कि पब्लिक डीलिंग वाले कॉमर्शियल स्टाफ को भी शामिल किया गया है। इसके तहत रिजर्वेशन क्लर्क, पार्सल क्लर्क, बुकिंग क्लर्क, टीटीई और टीसी को भी अपनी संपत्ति का विवरण देना होगा।

प्रयागराज में वोटर बने 2.66 लाख नए चेहरे, 10 अप्रैल को प्रकाशित होगी अंतिम सूची

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश में वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर प्रशासनिक तैयारियों ने रफ्तार पकड़ ली है। मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत दावे और आपत्तियां दर्ज करने का काम शुक्रवार को पूरा हो गया। उत्तर प्रदेश में वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर प्रशासनिक तैयारियों ने रफ्तार पकड़ ली है। मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत दावे और आपत्तियां दर्ज करने का काम शुक्रवार को पूरा हो गया। इस अभियान के दौरान जिले में रिकॉर्ड 2,66,237 नए मतदाताओं ने फॉर्म–छह जमा किया है। 10 अप्रैल को जब अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित होगी तो प्रयागराज के मतदाता कुनबे में इन नए चेहरों की इंट्री पक्की हो जाएगी। बता दें कि छह जनवरी को जब आलेख्य सूची का प्रकाशन हुआ था तब जिले में कुल 35,36,555 मतदाता थे। दो महीने के सघन अभियान के बाद अब यह संख्या बढ़कर 38,02,792 तक पहुंचनी तय मानी जा रही है। इसमें युवाओं और पहली बार वोट डालने वाले मतदाताओं की संख्या में भारी उछाल देखा गया है। प्रशासन केवल नए नाम जोड़ने पर ही नहीं, बल्कि सूची को शुद्ध करने पर भी जोर दे रहा है। नो मैपिंग और तार्किक विसंगति वाले 10.62 लाख संदिग्ध मतदाताओं की पहचान की गई थी। इसमें से 9.36 लाख वोटरों को अब तक नोटिस जारी किए जा चुके हैं। वहीं, 9.19 लाख मामलों में सुनवाई की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। बताया जा रहा है कि विशेष अभियान (एसआईआर) समाप्त हो गया है, लेकिन मतदाता बनने का अवसर अभी खत्म नहीं हुआ है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान आगे भी अलग–अलग चरणों में चलता रहेगा। जो युवा 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके हैं, वे आगामी तारीखों में अपना नाम सूची में दर्ज करा सकते हैं। अंतिम तिथि तक दो लाख 66 हजार नए वोटरों के आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनकी अब गहन जांच की जाएगी। विसंगति वाले मतदाताओं की सुनवाई अभी जारी रहेगी, ताकि एक पारदर्शी और त्रुटिहीन मतदाता सूची तैयार की जा सके। – पूजा मिश्रा, उप जिला निर्वाचन अधिकारी

118 लोगों ने युद्ध प्रभावित देशों में फंसे अपनों की दी सूचना, शासन को भेजी गई सूची

प्रयागराज। दुनिया के विभिन्न कोनों में छिड़े युद्ध और अशांति के बीच सात समंदर पार गए शहर के लोगों की सुरक्षा को लेकर परिजन बेहद चिंतित हैं। जिला प्रशासन द्वारा स्थापित कंट्रोल रूम पर अब तक 118 लोगों ने संपर्क कर अपने परिजनों के युद्ध प्रभावित देशों में फंसे होने की सूचना दी है। दुनिया के विभिन्न कोनों में छिड़े युद्ध और अशांति के बीच सात समंदर पार गए शहर के लोगों की सुरक्षा को लेकर परिजन बेहद चिंतित हैं। जिला प्रशासन द्वारा स्थापित कंट्रोल रूम पर अब तक 118 लोगों ने संपर्क कर अपने परिजनों के युद्ध प्रभावित देशों में फंसे होने की सूचना दी है। प्रशासन इन सभी का ब्योरा जुटाकर शासन को भेजने में जुटा है, ताकि उनकी सुरक्षित घर वापसी सुनिश्चित की जा सके। जिला प्रशासन को मिली जानकारी के अनुसार सबसे अधिक 45 लोग सऊदी अरब में हैं। इसके अलावा खाड़ी देशों और अन्य अशांत क्षेत्रों में फंसे लोगों का आंकड़ा भी ठीक–ठाक है। दुबई में 20, बहरीन व यूएई में 11–11, कुवैत में 10, कतर में छह, ओमान में चार, ईरान में तीन और इस्राइल, मलयेशिया, स्पेन व अबू धाबी में दो–दो लोग फंसे हैं। एडीएम वित्त एवं राजस्व विनीता सिंह ने बताया कि जैसे–जैसे कंट्रोल रूम पर सूचनाएं प्राप्त हो रही हैं, उन्हें तत्काल संकलित कर शासन को भेजा जा रहा है। आपदा प्रबंधन विभाग पूरी सतर्कता के साथ परिजनों की मदद कर रहा है।

एसएससी ने सीजीएल की रिक्तियां की जारी, 15,130 पदों पर होगी भर्ती

प्रयागराज। एसएससी ने संयुक्त स्नातक स्तरीय (सीजीएल) परीक्षा–2025 के लिए अंतिम भर्तियों का चार्ट जारी कर दिया है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष कुल 15,130 पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी। एसएससी ने संयुक्त स्नातक स्तरीय (सीजीएल) परीक्षा–2025 के लिए अंतिम भर्तियों का चार्ट जारी कर दिया है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष कुल 15,130 पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी। आयोग द्वारा जारी सूची के अनुसार, अनारक्षित वर्ग के लिए 6,464 पद निर्धारित किए गए हैं। वहीं, अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 3,834 पद, अनुसूचित जाति के लिए 2,223 पद, अनुसूचित जनजाति के लिए 1,134 पद और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए 1,475 पद आरक्षित हैं।

आयोग ने बताया है कि सीजीएल 2025 की विभिन्न पोस्ट के लिए ऑप्शन–कम–प्रेफरेंस विंडो नौ मार्च से खोली जाएगी। आयोग ने अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए सैंपल ऑप्शन फॉर्म वेबसाइट पर उपलब्ध करा दिया है। आयोग ने बताया कि यह केवल अभ्यास के लिए है और वरीयता केवल ऑनलाइन माध्यम से ही भरी जाएगी। फॉर्म में दिए गए घोषणा–पत्र के अनुसार, अभ्यर्थी को यह प्रमाणित करना होगा कि वह चयनित पद के लिए सभी आवश्यक शारीरिक और शैक्षणिक योग्यताएं पूरी करता हो। एक बार अंतिम रूप से जमा किया गया विकल्प अपरिवर्तनीय होगा। यदि सत्यापन के समय कोई विसंगति पाई गई या दस्तावेज अधूरे रहे तो अभ्यर्थी की पात्रता निरस्त कर दी जाएगी।

जूनियर इंजीनियर परीक्षा में 15,607 अभ्यर्थी दूसरे पेपर के लिए सफल

एसएससी जूनियर इंजीनियर–2025 के सिविल, मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल शाखाओं को मिलाकर कुल 15,607 अभ्यर्थी दूसरे पेपर के लिए सफल हुए हैं। सिविल इंजीनियरिंग शाखा में कुल 11,593 अभ्यर्थी सफल हुए हैं। वहीं, इलेक्ट्रिकल / मैकेनिकल इंजीनियरिंग सूची में कुल 4,014 अभ्यर्थियों को शॉर्टलिस्ट किया गया है।

सीट बेल्ट न हेलमेट, ऊपर से शराब... तीन दिन में कटे 850 चालान

प्रयागराज। होली पर यातायात नियमों का उल्लंघन करना वाहन चालकों को महंगा पड़ा। पिछले तीन दिन में यातायात पुलिस ने 850 वाहन चालकों के चालान काटे हैं। होली के मौके पर 950 से ज्यादा पुलिसकर्मियों को ड्यूटी पर लगाया गया था। साथ ही दो कंपनी पैरामिलिट्री फोर्स की भी तैनाती की गई थी। सीसीटीवी, ड्रोन के जरिए भी इलाके में नजर रखी गई। इस दौरान पुलिस ने सिविल लाइंस, कोतवाली, दारागंज, शिवकुटी, धूमनगंज समेत अन्य थाना क्षेत्रों में शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों पर ही नहीं, बल्कि यातायात के अन्य नियम तोड़ने वालों पर भी सख्त कार्रवाई की। यातायात पुलिस के आंकड़ों के अनुसार कुल 850 चालान किए गए।

इनमें मुख्य रूप से बिना हेलमेट के दोपहिया वाहन चलाना, एक बाइक पर तीन लोगों की सवारी, सीट बेल्ट का प्रयोग न करना, खतरनाक तरीके से वाहन चलाना आदि उल्लंघन शामिल रहे। यातायात प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि नियमों का उल्लंघन करने पर वाहन चालकों के चालान काटे गए हैं।

संक्षिप्त

ईरान–इजरायल के युद्ध ने बिगाड़ा भारतीय महिलाओं की रसोई का बजट

लखनऊ, संवाददाता। दावे तो यही किये जा रहे है कि पश्चिम एशिया में ईरान–इजरायल युद्ध से भारत पर कोई प्रभाव नही पड़ेगा परंतु युद्ध की आंच भारत पर दिखायी पड़ने लगी है। ताजा हालात के अनुसार देश में सबसे पहले एलपीजी सिलिंडर के दाम बढ़ा दिये गये है। जिससे भारतीय महिलाओं की रसोई का बजट बिगड़ गया है। जिसका सीधा असर रसोई पर तो पड़ा ही है साथ ही आने वाले समय में बाजार पर भी दिखाई देगा। युद्ध के बीच अफवाहो। का बाजार भी काफी गर्म है। पेट्रोल व डीजल के दाम बढ़ने तथा किल्लत या कमी की अफवाहों से पेट्रोल पंपों पर अचानक भीड़ बढ़ गयी है। फिलहाल 14.2 किलो के घरेलू एलपीजी सिलिंडर पर 60 रूपये की बढ़ोत्तरी हो गसी है। पहले आठ सौ नब्बे में मिलने वाला सिलिंडर अब नौ सौ पचास का मिलेगा। वही 19 किलो का कामर्शियल सिलिंडर 115 रूपये मंहगा हो गया है। जिसका सीधा असर रसोई पर तो पड़ा ही है साथ ही कुछ समय में बाजार पर भी दिखायी देगा। वही कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के चलते पट्रोल, डीजल के साथ सीएनजी व पीएनजी की कीमतों में बढ़ोत्तरी की संभावना है। हालांकि इंडियन ऑयल कार्पोरेशन के सूत्रों के अनुसार देश में ईधन की सप्लाई पूरी तरह से सामान्य है तथा पेट्रोल व डीजल का पर्याप्त स्टॉक है। तेल कंपनियों ने अपील की है कि पूर्व की घटनाओं की तरह किसी भी प्रकार की अफवाहों पर जनता ध्यान न दे। वही सूत्रों की माने तो भारत सरकार ने ईरान इजरायल युद्ध के चलते तेल कंपनियों को एलपीजी उत्पादन बढ़ाने के निर्देश दिये है ताकि एलपीजी सप्लाई सामान्य बनी रहे। युद्ध के हालात कुछ भी हो फिलहाल भारतीय महिलाओं की रसोई का बजट तो युद्ध के चलते बिगड़ ही गया है।

मनरेगा कर्मियों को नहीं मिला मानदेय, ईपीएफ का भुगतान लंबित

लखनऊ, संवाददाता। मनरेगा कर्मियों ने लंबे समय से लंबित मानदेय और ईपीएफ भुगतान को लेकर शनिवार को सरोजनीनगर ब्लॉक कार्यालय में विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान रोजगार सेवकों, कंप्यूटर ऑपरेटरों, तकनीकी सहायकों और अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारियों ने खंड विकास अधिकारी रीता सिंह को एक ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी और उपायुक्त श्रम एवं रोजगार को संबोधित था। कर्मचारियों ने बताया कि उन्हें जुलाई से अब तक मानदेय का भुगतान नहीं किया गया है, जबकि ईपीएफ की देयता भी लंबे समय से लंबित है। इस वित्तीय अनियमितता के कारण बीते दीपावली और होली जैसे प्रमुख त्योहार भी बिना वेतन के गुजर गए, जिससे उन्हें पारिवारिक जिम्मेदारियों के निर्वहन में कठिनाई आ रही है। मनरेगा कर्मियों ने जानकारी दी कि वे विभाग के निर्देशों के अनुसार लगातार लक्ष्यों की पूर्ति में योगदान दे रहे हैं। इसके अतिरिक्त, एसआईआर, क्रॉप सर्वे सहित अन्य विभागीय कार्यों में भी उनकी सक्रिय भागीदारी रही है। इसके बावजूद, विभागीय शिथिलता के कारण उन्हें भुगतान नहीं मिल पा रहा है। कर्मचारियों ने अपनी आर्थिक स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि विभागीय दायित्वों और पारिवारिक आवश्यकताओं के बीच संतुलन बनाना मुश्किल हो गया है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि प्रदेश में कई स्थानों पर मनरेगा कर्मियों द्वारा आत्महत्या जैसी घटनाएं सामने आई हैं, जो संविधान के अनुच्छेद–21 में वर्णित जीवन के अधिकार के विपरीत है। कर्मियों ने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक मानव दिवस सृजन होने और प्रशासनिक मद उपलब्ध होने के बावजूद मानदेय और ईपीएफ का भुगतान न होना वित्तीय अनियमितता की ओर संकेत करता है। उन्होंने अधिकारियों से शीघ्र भुगतान सुनिश्चित करने की मांग की है। इस अवसर पर अतिरिक्त कार्मिक अधिकारी ऋचा मिश्रा, लेखाकार संतोष कुमार, कंप्यूटर ऑपरेटर शशि मिश्रा, ग्राम रोजगार सेवक अध्यक्ष श्री बहादुर सिंह, ग्राम रोजगार सेवक रामसनेही, अरुण कुमार रावत, राजेंद्र कुमार रावत, अर्जुन कुमार गौतम, वीरेंद्र कुमार, गोमती प्रसाद, विमल कुमार, कमल कुमार, प्रीति यादव, आशा वर्मा और खुशबू शर्मा सहित कई रोजगार सेवक मौजूद रहे।

पंचायत चुनाव समय पर होंगे, 15 अप्रैल को जारी होगी फाइनल वोटर लिस्ट : ओपी राजभर

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश सरकार में पंचायती राज मंत्री और ओम प्रकाश राजभर ने पंचायत चुनाव, मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर) और राजनीतिक गठबंधनों को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रदेश में पंचायत चुनाव तय समय पर ही कराए जाएंगे और इसके लिए सभी तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं। राजभर ने कहा कि पंचायत चुनाव के लिए 15 अप्रैल को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। इसके बाद राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से अधिसूचना जारी होते ही चुनाव प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। राजभर ने कहा कि पंचायत चुनाव में हो रही देरी की मुख्य वजह बोर्ड परीक्षाएं, जनगणना और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया रही है। इन कारणों से चुनाव कार्यक्रम को थोड़ा समय देना पड़ा। उन्होंने बताया कि मतपत्र भी छपकर सभी जिलों के मुख्यालयों तक पहुंचा दिए गए हैं। SIR को लेकर विपक्ष द्वारा लगाए जा रहे आरोपों पर राजभर ने कहा कि चुनाव आयोग पूरी पारदर्शिता के साथ काम कर रहा है। उनके मुताबिक इस प्रक्रिया में केवल मृत मतदाताओं के नाम हटाए जा रहे हैं और जो मतदाता एक स्थान से दूसरे स्थान पर शिफ्ट हो गए हैं, उनके रिकॉर्ड को व्यवस्थित किया जा रहा है।

यूपी में मतदाता सूची पुनरीक्षण के दौरान 70.69 लाख नए आवेदन, नाम हटाने को 2.68 लाख आपत्तियां

लखनऊ, संांददाता। उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत छह जनवरी से छह मार्च के बीच नए मतदाताओं के नाम जोड़ने के लिए 70.69 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। वहीं नाम हटाने के लिए 2.68 लाख से ज्यादा आपत्तियां दर्ज की गई हैं। यह जानकारी शनिवार को नवदीप रिनवा ने दी। लखनऊ स्थित लोक भवन में आयोजित प्रेस वार्ता में मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिनवा ने बताया कि दो महीने की दावा–आपत्ति अवधि के दौरान प्रपत्र–6 के माध्यम से 70,69,810 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें 35,72,603 आवेदन महिलाओं और 34,96,911 आवेदन पुरुषों द्वारा दिए गए, जबकि तृतीय लिंग मतदाताओं की ओर से 296 आवेदन प्राप्त हुए। इससे स्पष्ट है कि इस बार महिलाओं की भागीदारी पुरुषों से अधिक रही।

पुष्पा शुक्ला स्मारक दो दिवसीय ओपेन वॉलीबाल प्रतियोगिता शुरू

सरदार पटेल वॉलीबाल क्लब बरहा कलां ने जीता प्रतियोगिता का उद्घाटन मैच

प्रयागराज। स्थानीय मांडा क्षेत्र के निकट बामपुर चेहरा के क्रीड़ा स्थल पर लहरी भैया फाउंडेशन के सौजन्य से स्व. पुष्पा शुक्ला की स्मृति में दो दिवसीय ओपेन वॉलीबाल प्रतियोगिता शुरू हुई। प्रतियोगिता के पहले दिन जनपद की कुल डेढ़ दर्जन टीमों ने प्रतिभाग कर अपने खेल कौशल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का उद्घाटन डिस्ट्रिक्ट वॉलीबाल एसोसिएशन(डीवीए),प्रयागराज के संरक्षक श्यामकांत शुक्ला ने फीता काटकर किया। प्रतियोगिता का उद्घाटन मैच सरदार पटेल वॉलीबाल क्लब बरहा कलां और भास्कर वॉलीबाल क्लब महेवा कलां के बीच खेला गया। जिसमें सरदार पटेल वॉलीबाल क्लब बरहा कलां ने भास्कर वॉलीबाल क्लब महेवा कलां की टीम को 23 – 25, 25 – 21 व 25 – 14 अंकों से हराकर दो दिवसीय वॉलीबाल प्रतियोगिता का उद्घाटन मैच जीत लिया। उद्घाटन समारोह के अवसर पर मुख्य रूप से एसोसिएशन के महासचिव आर.पी.शुक्ला, कोषाध्यक्ष के.बी.एल.श्रीवास्तव, वरिष्ठ पत्रकार सुभाष ओझा, वरिष्ठ खिलाड़ी प्रभाकर चौबे, अजय तिवारी, विनोद पांडेय व हरिदास आदि गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहें। प्रतियोगिता के खेले गए अन्य मैचों में वॉलीबाल क्लब मिश्रपुर ने स्पोर्टिंग क्लब नरोईया को 25 – 16 व 25 – 18 अंकों से, शिवाजी क्लब एडीए नैनी ने यूथ क्लब सिंदुरिया को 25 – 21 व 25 – 19 अंकों से, कृषि विश्वविद्यालय (सुआट्स) नैनी ने महावीर क्लब औराई को 25 – 23 व 25 – 19 अंकों से, वॉलीबाल क्लब पाली ने भास्कर वॉलीबाल क्लब महेवा कलां को 25 – 18 व 25 – 16 अंकों से, कंबाइंड वॉलीबाल क्लब बामपुर चेहरा ने ब्रदर्स क्लब बसकोप को 25 – 16 व 25 – 14 अंकों से, मंगला प्रसाद इंटर कॉलेज बामपुर ने यंग स्पोर्टिंग क्लब जरेला को 25 – 15 व 25 – 17 अंकों से, फ्रेंड्स क्लब मेजा ने वॉलीबाल क्लब लालगंज को 25 – 21 व 25 – 19 अंकों से हराकर अगले चक्र मे प्रवेश किया। प्रतियोगिता के आयोजन सचिव गणेश शंकर उर्फ बाबा गिरी ने प्रतियोगिता में पधारें समस्त अतिथियों का स्वागत किया। आज रविवार को प्रतियोगिता के दूसरे दिन प्रातः 10 बजे से देव स्पोर्ट्स एकेडमी, म्योहॅल स्पोर्ट्स हॉस्टल, पुलिस लाइन क्लब प्रयागराज, मदन मोहन मालवीय स्टेडियम प्रयागराज, एन.वाई.एस.ऊंज, वॉलीबाल क्लब कमासिन आदि टीमों के बीच मुकाबला खेला जाएगा।

उड़ान भरते ही बंद हुई डिस्प्ले और फैलने लगा धुआं, बाल–बाल बचे डिप्टी सीएम केशव मौर्य

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य शनिवार को एक बड़े हवाई हादसे का शिकार होने से बाल–बाल बच गए। लखनऊ से कौशांबी के लिए उड़ान भरने के कुछ ही मिनटों बाद उनके सरकारी हेलीकॉप्टर में गंभीर तकनीकी खराबी आ गई। आसमान में हेलीकॉप्टर के केबिन में अचानक धुआं भरने लगा और कंट्रोल पैनल की डिस्प्ले बंद हो गई, जिसके बाद पायलट ने सूझबूझ दिखाते हुए लखनऊ के अमौसी एयरपोर्ट (चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा) पर सुरक्षित इमरजेंसी लैंडिंग कराई। जानकारी के मुताबिक, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को कौशांबी में एक कार्यक्रम में शामिल होना था। इसके लिए उन्होंने लखनऊ के ला मार्टिनियर मैदान स्थित हेलीपैड से उड़ान भरी थी। अभी हेलीकॉप्टर को उड़े कुछ ही मिनट हुए थे कि केबिन में धुआं फैलने लगा। साथ ही पायलट के सामने लगी डिजिटल डिस्प्ले अचानक ठप हो गई। हेलीकॉप्टर के भीतर अचानक पैदा हुए इस संकट से हड़कंप मच गया। पायलट ने बिना देरी किए तुरंत लखनऊ एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) से संपर्क किया और तकनीकी खराबी की जानकारी देते हुए आपातकालीन लैंडिंग की मांग की। अमौसी एयरपोर्ट पर प्राथमिकता के आधार पर रनवे खाली कराया गया और एम्बुलेंस व फायर ब्रिगेड की टीमों को अलर्ट मोड पर रखा गया। जैसे ही हेलीकॉप्टर अमौसी एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतरा, सुरक्षा कर्मियों और तकनीकी टीमों ने उसे चारों तरफ से घेर लिया। उपमुख्यमंत्री को सुरक्षित बाहर निकाला गया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में डिप्टी सीएम या उनके स्टाफ के किसी भी सदस्य को कोई चोट नहीं आई है। प्रारंभिक रिपोर्ट्स में इसे इलेक्ट्रिकल फॉल्ट माना जा रहा है। नागरिक उड्डयन विभाग की तकनीकी विशेषज्ञों की टीम हेलीकॉप्टर की गहन जांच कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि धुएं और डिस्प्ले बंद होने की असली वजह क्या थी। इस घटना के बाद उपमुख्यमंत्री के कौशांबी दौरे के लिए वैकल्पिक इंतजाम किए गए।

जिस दुकान पर जीभ से चाटी बर्फ उसमें लगी आग, बगल की दुकान भी जली

लखनऊ, संवाददाता। जानकीपुरम में गन्ने के रस की एक दुकान में शनिवार रात आग लग गई। इस दुकान का जीभ से बर्फ चाटने का एक वीडियो शुक्रवार को सामने आया था। चर्चा है कि इसी वजह से ही किसी ने दुकान में आग लगा दी। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस और फायर ब्रिगेड आग लगने के कारणों की जांच कर रही है। आग की चपेट में बगल की रजाई–गद्दे की दुकान भी आग लग गई थी। फायर ब्रिगेड ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया था। आग से दोनों दुकान का सारा सामान जलकर राख हो गया। जानकीपुरम के मुलायम तिराहा स्थित गन्ने की दुकान में शनिवार रात करीब 1 बजे धमाके के साथ आग लग गई। देखते–देखते ऊंची लपटें निकलने लगीं। आग की चपेट में पास की रजाई–गद्दे की दुकान भी आ गई। रुई और कपड़ों की वजह से आग और भड़क गई। स्थानीय लोगों ने पुलिस और फायर स्टेशन को सूचना दी। बक्शी का तालाब फायर स्टेशन से फायर ब्रिगेड की एक गाड़ी पहुंची। अग्निशमनकर्मियों ने आग पर काबू पाने की कोशिश शुरु की। आग विकराल होने के कारण दूसरी गाड़ी भी बुलाई गई। दोनों गाड़ियों की मदद से करीब 2 घंटे में आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक दोनों दुकानों का सारा सामान जलकर राख हो गया। दुकान में रसोई गैस सिलेंडर रखा था। फटने से पहले उसे बाहर निकाल लिया गया, वरना बड़ा हादसा हो जाता। आग लगने के बाद मौके पर भारी भीड़ जुट गई। लोगों ने कहा कि गन्ने के रस की दुकान पर एक बच्चा जीभ से बर्फ चाट रहा था। उसका वीडियो शुक्रवार को सामने आया था। इस वजह से लग रहा है कि किसी ने गुस्से में आकर दुकान को आग लगाकर फूंक दिया। लोगों ने कहा कि आसपास अन्य दुकान और घर है। गनीमत रही कि समय पर आग पर काबू पा लिया गया, वरना और बड़ा हादसा हो जाता।

केजीएमयू में दरगाह के अतिक्रमण को हटाया,होली की छुट्टी के दौरान किया कब्जा

लखनऊ, संवाददाता। केजीएमयू में मजार के पास फिर से हुए अतिक्रमण को आज हटा दिया गया। इस दौरान काफी गहमा–गहमी रही। भारी पुलिस बल तैनात रही। केजीएमयू प्रशासन ने साफ कर दिया कि परिसर में किसी भी तरह का अतिक्रमण नहीं होने देंगे। प्रॉक्टर डॉ. आरएस कुशवाहा भी कार्रवाई के दौरान मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि होली के दौरान कुछ लोगों ने बांस बल्ली लगाकर अतिक्रमण कर लिया था। अतिक्रमण करने वालों की जानकारी नहीं मिली है। अतिक्रमण हटा दिया गया है। हरमैन शाह दरगाह पर ही आगे बांस–बल्ली लगाकर दरगाह के परिसर को बढ़ाने की कोशिश की गई थी। उन बांस–बल्लियों को भी हटाया गया। कार्रवाई करने पहुंची टीम ने बांस–बल्ली निकाली। उन्हें दरगाह के पास में ही रख दिया। कुछ देर बांस–बल्ली वहां से हटाई गई। परिसर में पुलिस बल तैनात है। दरगाह से अतिक्रमण हटाने के बाद कमेटी के लोग पैरामेडिकल साइंस के डीन डॉ. के.के. सिंह से मिलने के लिए पहुंचे। हालांकि, कमेटी के लोग इससे इनकार करते दिखे।

अखिलेश यादव बोले, हम मायावती और नीतीश कुमार को बनाना चाहते थे प्रधानमंत्री

लखनऊ, संवाददाता। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को राज्यसभा भेजे जाने को लेकर कहा कि जब 2024 में इंडिया गठबंधन बना था तो हम लोग उन्हें प्रधानमंत्री बनाना चाहते थे। इसी तरह जब 2019 में सपा–बसपा का गठबंधन हुआ था तो हम मायावती को प्रधानमंत्री बनाना चाहते थे लेकिन लगता है कि भाजपा नीतीश जी को राज्यसभा सदस्य के रूप में ही रिटायर करना चाहती है। अखिलेश यादव शनिवार को सपा मुख्यालय लखनऊ में मीडिया को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने चुनाव आयोग पर भी निशाना साधा और कहा कि चुनाव आयोग झूठ बोलता है। उन्होंने कहा कि भाजपा के लोग सपा का फर्जी वीडियो चलवा रहे हैं। हम उन पर मुकदमा करेंगे। प्रदेश में गैस सिलेंडर के दाम बढ़ने को लेकर उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार महंगाई बढ़ा रही है। सुबह देखा कि गैस के दाम बढ़ा दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि जब जाएंगे भाजपाई, तब घटेगी महंगाई। उन्होंने केंद्र की भाजपा सरकार पर हमला करते हुए कहा कि आज भारत की विदेश नीति किसी और तय कर रहे हैं जबकि देश की विदेश नीति हमारी सरकार को ही तय करनी चाहिए पर ऐसा नहीं हो रहा है।

सुखद पल की गाथा

(छप्पय)

कलियों का स्पर्श फूल में खुशबू भरना।
बोल रहा है मौन देख अधरों का हँसना।
सागर– नदी मिलाप नहीं होता आधा है।
अंतहीन यह बात सुखद पल की गाथा है।
शब्द–शब्द छल मुक्त हो रचकर प्रेम विधान को।
कहें समर्पण श्रेष्ठ है करे खत्म अभिमान को।।

दुख में भरकर हर्ष नहीं वे कुछ भी कहते।
होते हैं परिपक्व प्रेम जो निश्चल रहते।
वचन और अनुबंध दिलों की सीमा बनकर।
भरते मधुर सुगंध उसी को अपना कहकर।
साधक की यह साधना शब्दों का विस्तार है।
जहाँ मौन हँसकर कहे अंतस का उद्गार है।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

राष्ट्रीय वैदिक सनातन पंचांग का हुआ विमोचन
होली मिलन समारोह अयोजित

प्रवीन शर्मा संवाददाता

अलीगढ़। आज ग्रेटर नागौला रिजोर्ट में अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण सभा के तत्वाधान में आयोजित हर वर्ष की भांति राष्ट्रीय वैदिक सनातन पंचांग विमोचन एवं होली मिलन समारोह के कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमे राष्ट्रीय अध्यक्ष हेमंत कौशिक, राष्ट्रीय प्रभारी के. सी .गौड का सानिध्य मिला राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा इस पंचांग में व्रत एवं पर्वों को एक तिथि में मनाए जाने का उल्लेख है यह विचार उन्होंने ग्रेट नगौला रिजोर्ट में उपस्थित ब्राह्मण सभा में पंचांग विमोचन समारोह में व्यक्त किए।

राष्ट्रीय प्रभारी ने कहा प्रति वर्ष यह पंचांग निशुल्क वितरण किया जाता है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा की पंचांग से सनातन संस्कृति को बढाने का कार्य किया जा रहा है। स्वामी पूर्णानंद पुरी जी महाराज जी ने कहा पंचांग को श्रद्धालुओं के लिए बहुत उपयोगी बताया उन्होंने कहा ब्राह्मण जाति नही संस्कृति है हितेंद्र उपाध्याय ने कहा सनातन पंचांग हिंदुओ के लिए बहुत उपयोगी है ।अलीगढ़ प्रेस क्लब के महासचिव आर.सी शर्मा ने कहा ब्राह्मणों को एकजुट होकर रहने के लिए कहा। ग्रामीण पत्रकार यूनियन के अध्यक्ष ने कहा ब्राह्मण हमेशा एक रहें बंटे नही हम ब्राह्मणों के साथ हैं। राष्ट्रीय परशुराम सेना के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष धंजय पंडित ने यूजीसी को काला कानून बताया और कहा समाज के साथ गलत नही होने देंगे। कार्यक्रम संयोजक गौरीशंकर शर्मा और राजकुमार शर्मा रहे। पंचांग के सफल विमोचन पर सभी ब्राह्मण सभा में आए सभी गणमान्य लोगों ने हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं। इस अवसर पर डॉ आर. बी शर्मा, रामभरोशे शर्मा,हितेंद्र उपाध्याय 'बंटी भैया',पूर्व ब्लॉक प्रमुख ऋषि शर्मा, नरेंद्र शर्मा, धनजय पंडित,सचिन शर्मा, आर सी शर्मा, राजीव शर्मा, दिनेश शर्मा, संजय पचौरी, विनय शर्मा, मुकुल वशिष्ठ, अरुण शर्मा, गौरी पाठक, राजेश भट्ट, ऋषभ शर्मा आचार्य,शनि पंडित,प्रमोद गौड, नखलेश्वर, विष्णु शर्मा, नरेश शर्मा, विशेष पंडित,सीता शर्मा, रामभूल शर्मा, सोमेश शर्मा, सुनीता गोस्वामी आदि लोग उपस्थित रहे।

उत्तर मध्य रेलवे

टेण्डर संख्या- 230-वि/क.वि./प्रयागराज/ई-टेण्डर/2026-623 — दिनांक 03.03.2026

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता/कर्षण/उ.म.रे./प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्न कार्य हेतु ई निविदा आमंत्रित की जाती है। जिनका विवरण निम्न प्रकार है -

निविदा सं. : 230-क.वि.-कार्य ठेका-1012-2026	
कार्य का विवरण: प्रयागराज मंडल के चंदारी (CNBI), चकेरी (CHK) और मैथा (MTO) स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म को ऊंचा करने और रूरा (RRH) स्टेशन पर पुराने FOB को 6.1 M चौड़े नए FOB से बदलने के कारण 25 केवी ओएचई में संशोधन का कार्य।	
अनुमानित मूल्य (₹): ₹ 1,18,25,432.98	बिड सुरक्षा राशि (₹): ₹ 2,09,100.00
कार्य अवधि: 12 महिने	बोली प्रणाली : एक पैकेट
निविदा बन्द होने की तिथि तथा समय: 27.03.2026 & 14:00 बजे। निविदा खुलने की तिथि तथा समय: 27.03.2026 & 15:00 बजे	

नोट:-1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर निविदा खोलने की तिथि से 21 दिन पहले से उपलब्ध होगा। 2. उपरोक्त निविदा में ई.बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 500/26(DG)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

पत्रांक: टी./डी एण्ड ए.आर./अना.अनु./PCO/-2025 — दिनांक: 06.03.2026

गैर हाजिरी सूचना

श्री पंकज फैलोज, पुत्र स्व. युसूफ फैलोज, प्वाइंट्समैन/प्रयागराज छिवकी, मण्डल- प्रयागराज, निवासी- मकान नं.- 77/9, अशोक नगर, प्रयागराज, उ0प्र0, पिन- 211001 एवं मकान नं.- 129/ए, एडीए, अरैल मोड़, नैनी, प्रयागराज, उ0प्र0, पिन- 211008 आपको सूचित किया जाता है कि आप दिनांक 23.09.2025 से लगातार बिना किसी सूचना के अपनी ड्यूटी से अनधिकृत रूप से अनुपस्थित चल रहे हैं। इस सूचना के प्रकाशित होने की तिथि से दस (10) दिनों के अन्दर मण्डल परिचालन प्रबंधक (कोचिंग)/उ.म.रे. /प्रयागराज, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, नवाब युसूफ रोड, प्रयागराज के कार्यालय में अवश्य उपस्थित हों अन्यथा यह माना जायेगा कि आप आगे रेल सेवा नहीं करना चाहते हैं, जिसके कारण रेल प्रशासन को एकतरफा निर्णय लेने हेतु बाध्य होना पड़ेगा एवं आपके विरूद्ध बर्खास्तगी/निष्कासन/अनिवार्य सेवानिवृत्ति का दण्ड पारित किया जा सकता है।

नाम- श्री पंकज फैलोज पुत्र स्व. युसूफ फैलोज
निवासी- मकान नं.- 77 / 9, अशोक नगर
जिला- प्रयागराज, उ0प्र0-211001
एवं
नाम- श्री पंकज फैलोज पुत्र स्व. युसूफ फैलोज
निवासी- मकान नं.- 129/ ए, एडीए, अरैल मोड़ नैनी
जिला- प्रयागराज, उ0प्र0-211008

मण्डल परिचालन प्रबन्धक (कोचिंग)
उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज

509/26(A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

नीतीश का अप्रत्याशित कदम

ऐसा लगता है कि बिहार में पहले से लिखी स्क्रिप्ट को अमली–जामा पहनाने का उपक्रम शुरू हो गया है। जिसे बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का राज्यसभा के लिये नामांकन के रूप में देखा जा रहा है। इस घटनाक्रम का महत्व कितना अधिक है,यह नामांकन के मौके पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के पटना पहुंचने से पता चलता है। बहरहाल, यह तय हो गया है कि बिहार की राजनीति में दो दशकों के बाद राज्य की सत्ता में एक बड़ा परिवर्तन देखने को मिलेगा। जनता दल यूनाइटेड के सुप्रीमो नीतीश कुमार, जिन्होंने चार माह से भी कम समय पहले रिकॉर्ड दसवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी, लेकिन अब अप्रत्याशित रूप से इस प्रतिष्ठित कुर्सी को छोड़ने को तैयार हैं। अब 75 वर्षीय नीतीश कुमार आगामी राज्यसभा चुनाव लड़ने जा रहे हैं। बहरहाल, विधानसभा में सत्तारूढ़ गठबंधन के लिए पर्याप्त बहुमत के कारण उनकी जीत निश्चित मानी जा रही है। निष्कर्ष यह भी है कि राज्यसभा चुनाव में सफल होने के बाद उनका मुख्यमंत्री के रूप में दो दशक पुराना सफर समाप्त हो जाएगा। इसमें कोई दो राय नहीं कि राज्य में उनका अगला उत्तराधिकारी भाजपा से ही आएगा। उल्लेखनीय है कि नवंबर 2025 में हुए विधानसभा चुनावों में भाजपा राज्य में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। भाजपा ने जो अच्छा प्रदर्शन किया था, उसके चलते ही नीतीश को फिर से सत्ता में बने रहने में मदद मिली थी। लेकिन तभी राजनीतिक पंडित कयास लगा रहे थे कि कालांतर उनको पद छोड़ना ही होगा, अब चाहे यह स्वेच्छा से हो या मजबूरी में। निस्संदेह, उत्तर भारत में बिहार एकमात्र ऐसा हिंदी भाषी राज्य है जहां अब तक भाजपा का कोई मुख्यमंत्री नहीं रहा है। वहीं दूसरी ओर अटकलें लगायी जा रही हैं कि नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार, जो सक्रिय राजनीति में अभी नये हैं, नई सरकार में उप मुख्यमंत्री बन सकते हैं। बहुत संभव है बिहार में भाजपा की महत्वाकांक्षा को देखते हुए जेडीयू अपनी पार्टी का जनाधार बनाये रखने के लिये पार्टी के लिये उपमुख्यमंत्री पद चाह रही हो। हो सकता है कि सत्ता में अचानक आने वाले इस बड़े बदलाव को लेकर कुछ जेडीयू नेताओं में असंतोष देखने में आए। अनुभवी व उम्रदराज नीतीश कुमार के सामने भी चुनौती है कि कैसे अपने दल के विधायकों को एकजुट रखा जाए। साथ ही यह सुनिश्चित करना कि उनकी पार्टी का जनाधार प्रभावित न हो। वहीं दूसरी ओर नीतीश कुमार के राज्यसभा में जाने की स्थिति में लोक जनशक्ति पार्टी के प्रमुख और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान को राज्य की राजनीति में अपनी पैठ मजबूत बनाने में मदद मिलेगी। यह घटनाक्रम मुख्य विपक्षी दल राष्ट्रीय जनता दल के लिये महत्वपूर्ण होगा क्योंकि वह सत्ताधारी गठबंधन की कमजोरियों का फायदा उठाने की कोशिशें तेज करेगा। वहीं दूसरी ओर सोशल मीडिया पोस्ट में नीतीश कुमार ने दो दशक की पारी में सहयोग के लिये बिहार की जनता का आभार जताया है तथा अपना दायित्व निभाने की बात कही है। साथ ही राज्यसभा में जाने की तार्किकता का भी जिक्र किया है और विकसित बिहार के संकल्प को फिर से दोहराया है। निस्संदेह, वर्ष 2005 से अब तक, बीच के कुछ महीनों को छोड़कर, उनका सत्ता में बने रहना अभूतपूर्व रहा है। किसी भी गठबंधन की सरकार रही हो, नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री बने रहे। यही वजह है कि जेडीयू में कार्यकर्ताओं का एक वर्ग उनके राज्यसभा में जाने को लेकर निराश है। बहरहाल, अब तक विधान परिषद, बिहार विधानसभा और लोकसभा का सदस्य रहने के बाद, वे राज्यसभा के भी सदस्य बन जाएंगे। वहीं राज्य की विपक्षी पार्टी कांग्रेस बिहार की सत्ता में होने वाले बदलाव को जनता के साथ छल बता रही है। इसे जनादेश के विरुद्ध कदम बताया जा रहा है। वहीं आरजेडी की तरफ से कहा जा रहा है कि इस बड़े राजनीतिक घटनाक्रम से बिहार की जनता हतप्रभ है। यह सब भाजपा के विधानसभा में संख्याबल के दबाव में होना था, लेकिन यह इतना जल्दी हो जाएगा, इसकी उम्मीद नहीं थी। वे इसे जेडीयू के संकुचन की शुरुआत बता रहे हैं।

खामेनेई की विरासत पर सवाल बरकरार

असद मिर्जा

आयतुल्लाह अली खामेनेई (1939–2026), ईरान के दूसरे सर्वोच्च नेता, 28 फरवरी, 2026 को तेहरान पर अमेरिका और इजराइल के समन्वित हवाई हमले के दौरान मारे गए थे। अमेरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शुरुआती घोषणा के बाद, 1 मार्च, 2026 को ईरानी सरकारी मीडिया ने उनकी मौत की पुष्टि की। खामेनेई को उनके कार्यालय में ऑपरेशन एपिकफ्यूरी नाम के एक संयुक्त सैन्य कार्रवाई में मार दिया गया था। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) के कमांडर और रक्षा मंत्री समेत कई दूसरे बड़े अधिकारी भी मारे गए थे। ईरान ने 40 दिन का राजकीय शोक और सात सार्वजनिक छुट्टियां घोषित किए हैं। आयतुल्लाह अली खामेनेई का कोई तय वारिस नहीं है। ईरानी संविधान के तहत, राष्ट्रपति, न्यायपालिका के प्रमुख और गार्डियन काउंसिल के एक सदस्य वाली एक काउंसिल कुछ समय के लिए नेतृत्व की जिम्मेदारी संभालेगी। आयतुल्लाह अली खामेनेई ने 1989 से 2026 तक, 36 साल से ज़्यादा समय तक इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के सर्वोच्च नेता के तौर पर काम किया, जिससे वे मध्य पूर्व में किसी भी देश के सबसे लंबे समय तक रहने वाले प्रमुख बन गए। 1939 में मशहद में जन्मे, आयतुल्लाहखामेनेई1979 की इस्लामिक क्रांति में एक अहम व्यक्ति थे और 1981 से 1989 तक ईरान के राष्ट्रपति रहे। एक धर्मशास्त्री होने के नाते, उन्हें पश्चिम, खासकर अमेरिका और इजराइल के प्रति उनकी गहरी दुश्मनी और उनके पहले के आयतुल्लाहखोमैनी द्वारा बनाए गए धर्माधारित शासन प्रणाली के प्रति उनकी पक्की प्रतिबद्धता के लिए जाना जाता था। आयतुल्लाह अली खामेनेई के 36 साल के राज ने ईरान को एक ताकतवर अमेरिका–विरोधी शक्ति ताकत बना दिया, जिसने मध्यपूर्वमें अपना सैन्य दबदबा फैलाया, और साथ ही देश में बार–बार होने वाली अशांति को दबाने के लिए सख्ती का इस्तेमाल किया। शुरू में खामेनेई को कमजोर और फैसला न कर पाने वाला कहकर खारिज कर दिया गया था, लेकिन करिश्माई आयतुल्लाहरूहोल्लाहखोमैनी, जिन्होंने इस्लामिक रिपब्लिक ऑ+फ ईरान की स्थापना की थी, की मौत के बाद सर्वोच्च नेता के लिए उनका चुनाव एक मुश्किल विकल्प लग रहा था। लेकिन देश के शक्ति ढांचे के शीर्ष पर खामेनेई के पहुंचने से उन्हें देश के मामलों पर मजबूत पकड़ मिली। खामेनेई ने लंबे समय तक इस बात से इनकार किया कि ईरान का नाभिकीय कार्यक्रम परमाणु हथियार बनाने के मकसद से था, जैसा कि पश्चिम का कहना था। 2015 में उन्होंने दुनिया की ताकतों और व्यावहारिक राष्ट्रपति हसन रूहानी की सरकार के बीच एक नाभिकीय समझौते का सावधानी से समर्थन किया, जिसने प्रतिबंधों में राहत के बदले देश के नाभिकीय कार्यक्रम पर रोक लगा दी। मुश्किल से हुए इस समझौते के नतीजे के तौर पर ईरान का आर्थिक और राजनीतिक अलगाव कुछ हद तक कम हुआ। अमेरिका के लिए खामेनेई की दुश्मनी कम नहीं हुई। 2018 में यह और बढ़ गई जब ट्रंप की पहली सरकार ने नाभिकीय समझौते से नाम वापस ले लिया और ईरान की तेल और शिपिंग उद्योग को रोकने के लिए फिर से प्रतिबंध लगा दिए। आयतुल्लाह ने अपने पूरे राज में वॉशिंगटन की बुराई की, और वह 2025 में अमेरिकी राष्ट्रपति के तौर पर डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की शुरुआत के बाद भी तीखे हमले करते रहे। अमेरिका के नाभिकीयबातचीत से हटने के बाद, खामेनेई ने उन कट्टर समर्थकों का साथ दिया जिन्होंने रूहानी की पश्चिम के प्रति तुष्टीकरण की नीति की बुराई की थी। जब ट्रंप ने ईरान पर 2025 में एक नयेनाभिकीय समझौते के लिए दबाव डाला, तो खामेनेई ने श्अमेरिका के असभ्य और घमंडी नेताओंश की बुराई की। उन्होंने पूछा, श्आप कौन होते हैं यह तय करने वाले कि ईरान को रेडियोधर्मी तत्वों का परिष्करण करना चाहिए या नहीं? श खामेनेई अक्सर अपने भाषणों में श्महान शैतानश की बुराई करते थे, उन कट्टरपंथियों को भरोसा दिलाते थे जिनके लिए अमेरिका विरोधी भावना 1979 की क्रांति के केंद्र में थी, जिसने ईरान के आखिरी शाह को देश निकाला दे दिया था। अली खामेनेई का जन्म अप्रैल 1939 में नॉर्थ–ईस्ट ईरान के मशहद में हुआ था। 11 साल की उम्र में मौलवी बनने पर उनकी धार्मिक प्रतिबद्धता सा+फ थी। उन्होंने इराक और ईरान की धार्मिक राजधानी +कोम में पढ़ाई की। उनके पिता, जो अजेरी मूल के धार्मिक विद्वान थे, एक पारंपरिक मौलवी थे जो धर्म और राजनीति को मिलाने के खिला+फ थे। इसके उलट, उनके बेटे ने इस्लामी क्रांतिकारी मकसद को अपनाया। 1963 में, खामेनेई ने जेल में कई सजाओं में से पहली सजा काटी, जब 24 साल की उम्र में उन्हें राजनीतिक गतिविधियों के लिए हिरासत में लिया गया था। उनकी आधिकारिक जीवनी के मुताबिक, उसी साल बाद में उन्हें मशहद में 10 दिनों के लिए कैद किया गया, जहां उन्हें बहुत ज़्यादा शारीरिक प्रताडना सहनी पड़ी। शाह के गिरने के बाद, खामेनेई ने इस्लामिक रिपब्लिक में कई पद संभाले। उप रक्षा मंत्री के तौर पर, वह मिलिटरी के करीब हो गए और पड़ोसी देश इराक के साथ 1980–88 के युद्ध में एक अहम किरदार थे, जिसमें अंदाजन कुल दस लाख लोगों की जानें गई थीं। एक अच्छे वक्ता होने के नाते, उन्हें खोमैनी ने तेहरान में शुक्रवार की नमाज के लीडर के तौर पर नियुक्त किया था। उनकी इतनी तेजी से, पहले कभी नहीं हुई तरक्की पर सवाल थे। उन्होंने खोमैनी के समर्थन से राष्ट्रपति का पद जीता – इस पोस्ट पर पहले मौलवी – और खोमैनी के वारिस के तौर पर उनका चुना जाना एक आश्चर्यजनक पसंद थी, यह देखते हुए कि उनमें खोमैनी जैसी लोकप्रिय प्रभावशालिताऔर बेहतर मौलवी काबिलियत, दोनों की कमी थी। ताकतवर गार्ड्स के साथ उनके रिश्ते 2009 में काम आए। उस साल, राष्ट्रपति महमूद अहमदीनेजाद के दोबारा चुनाव जीतने के बाद, जब विपक्ष ने वोट में धोखाधड़ी के आरोप लगाए, तो सशस्त्र बलों ने विरोध प्रदर्शनों को कुचल दिया। उन्होंने सेताद के जरिए एक बड़े आर्थिक जागीर को भी चलाया, जो एक ऐसा संगठन था जिसे खोमैनी ने शुरू किया था, लेकिन के खामेनेई के राज में यह बहुत बढ़ गया था, और जिनके पास अरबों डॉलर की संपत्ति थी। खामेनेई ने इस इलाके में ईरानी असर बढ़ाया, इराक और लेबनान में शिया मिलिशिया को ताकत दी, और सीरिया में हजारों सैनिक भेजकर उस समय के राष्ट्रपति बशरअल–असद को सहारा दिया। उन्होंने मध्यपूर्वमें इजराइली और अमेरीकीताकत का विरोध करने के लिए इन साथियों – श्एक्सिस ऑफरेजिस्टेंसश पर चार दशकों में अरबों खर्च किए, जिसमें हमास, ि-फलिस्तीनी इस्लामी ग्रुप, और यमन के हूथी भी शामिल थे। लेकिन 2024 में खामेनेई ने इन साथियों को टूटते और ईरान के इलाके में असर को कम होते देखा, जिसमें असद को हटाना और इजराइल द्वारा लेबनान में हिज़्बुल्लाह और गाजा में हमास को कई बार हराना शामिल था, जिसमें उनके नेताओं की हत्या भी शामिल थी। खामेनेई के राज में, ईरान और इजराइल ने सालों तक छाया युद्ध किया, जिसमें इजराइल ने तेहरान के नाभिकीय वैज्ञानिक और रिवोल्यूशनरी गार्ड कमांडरों की हत्या की। यह 2023 से गाजा में हमास के खिलाफ इजरायल की लड़ाई के दौरान खुलकर सामने आया। अप्रैल 2024 में, ईरान ने दमिश्क में तेहरान के दूतावास परिसर पर बमबारी के बाद इजरायल पर सैकड़ों मिसाइलें और ड्रोन दागे। जवाब में इजरायल ने ईरानी जमीन पर हमला किया। लेकिन यह जून 2025 की बस एक शुरुआत थी, जब इजरायल की मिलिटरी ने ईरानी नाभिकीयऔर मिलिटरी ठिकानों के साथ–साथ वरिष्ठ अधिकारियों पर हमला करने के लिए सैकड़ों फाइटर जेट उतारे।

रचना सक्सेना की कुण्डलियाँ

बोलो कैसे अब बचे, अपना भारत देश
कलुषित भ्रष्टाचार से, दिखता यह परिवेश।।
दिखता यह परिवेश, एकता टूटी जाती ।
जातिवाद संघर्ष, दूरियाँ लेकर आती।।
कहती रचना आज, प्रेम रस मिलकर घोलो।
भारत अपना देश, बचे जब मीठा बोलो।।

भाईचारा ही बड़ा, देख जगत में आज।
बलशाली जिससे बने, करें देश पर नाज।।
करें देश पर नाज, चेतना बहुत जरूरी।
जागेगा जब देश, यही दुर्लभ कस्तूरी।।
कहती रचना आज, गूँजती हो जयकारा।
बलशाली हो देश, बढ़े जब भाईचारा।।

रचना सक्सेना
अलोपीबाग
प्रयागराज

भारत की संप्रभुता पर अमेरिका का हमला

अमेरिका के ईरान पर हमले के बाद दिवंगत आयतुल्लाह अली खामनेई के प्रतिनिधि डॉ. अब्दुल मजीद हकीम इलाही ने दावा किया कि यह हमला केवल ईरान तक सीमित नहीं रहेगा, आने वाले वक्त में भारत और चीन जैसी शक्तियां भी अमेरिका के निशाने पर होंगी और उनकी यह बात बुधवार को सच साबित होती दिखी। बुधवार 4 मार्च को अमेरिका ने हिंद महासागर के भारतीय क्षेत्र में ईरान का एक युद्धपोत टॉरपीडो से हमला करके डुबो दिया। ईरान के इस युद्धपोत ने हाल ही में भारत के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास में हिस्सा लिया था और इसी के बाद वापस लौट रहा था। इस सैन्य अभ्यास को इंटरनेशनल फ्ल्लीट रिव्यू–2026 कहा गया, इसकी मेजबानी भारत ने की थी और खुद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के सामने भारतीय और ईरानी नौसैनिकों ने एक साथ परेड की थी। लेकिन भारत की संप्रभुता को बड़ी चोट पहुंचाते हुए अमेरिका ने हमला किया और इसमें सफलता का दावा भी किया। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने दावा किया कि हिंद महासागर में ईरान का एक युद्धपोत अमेरिका ने टॉरपीडो से हमला करके डुबो दिया है। हालांकि, हेगसेथ ने उस ईरानी जहाज का नाम नहीं बताया जिसे डुबोया गया है, जबकि श्रीलंकाई नौसेना ने बताया था कि आईआरआईएस डेना हिंद महासागर में डूब गया है, जिसमें सवार कुल 180 में से लगभग 140 लोग लापता हैं। श्रीलंकाई सरकार ने यह भी कहा कि ईरानी युद्धपोत डेना की ओर से उनके पास एक डिस्ट्रेस कॉल (आपातकालीन संदेश) मिला जिसमें सहायता मांगी गई थी। लेकिन अमेरिका और श्रीलंका की बातों के उलट मोदी सरकार ने पहले इस दावे को श्भ्रामकश बताया। पीआईबी की फैक्ट चेक टीम ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि, श्एक अमेरिका बेस्ड चौनल में अमेरिकी सेना के पूर्व अधिकारी कर्नल डगलस मैक्ग्रेगर ने कहा कि अमेरिका भारतीय नौसैनिक अड्डे का इस्तेमाल ईरान पर हमले के लिए कर रहा है ये दावा बिलकुल +गलत है।श लेकिन सच क्या है ये अब पूरी दुनिया के सामने है। प्रधानमंत्री मोदी इस गंभीर संकट के वक्त भी चुप्पी बरते हुए हैं और सरकार हमले की सीधी निंदा करने की जगह गोल–मोल बातें कर रही है, यह बड़ी चिंता की बात है। क्योंकि अब तक सरकार ने विदेश नीति को पलटने का काम किया था, लेकिन अब तो अतिथि देवो भव के सामान्य शिष्टाचार को निभाने की जहमत भी नहीं उठा रही। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि आखिर नरेन्द्र मोदी अमेरिका और इजरायल से इतना डर क्यों रहे हैं। पूर्व विदेश सचिव कंवल सिब्बल ने मोदी सरकार को सही सलाह दी है कि, श्अगर हमने ईरानी जहाज को अपने शमिलनश अभ्यास में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित नहीं किया होता, तो वह वहां मौजूद नहीं होता। हम इस अभ्यास के मेजबान थे। इस अभ्यास के प्रोटोकॉल के मुताबिक जहाज किसी भी तरह का गोला–बारूद नहीं ले जा सकते। यानी ईरान का वो जहाज निहत्था था। अमेरिकी पनडुब्बी का हमला पहले से सोचा–समझा था, क्योंकि अमेरिका को इस बात की जानकारी थी कि ईरानी जहाज इस अभ्यास में शामिल है। उन्होंने कहा कि भले ही भारत अमेरिका के इस हमले के लिए राजनीतिक या सैन्य रूप से जिम्मेदार ना हो लेकिन भारत की जिम्मेदारी नैतिक और मानवीय स्तर पर है। अफसोस यही है कि सरकार इस मूलभूत जिम्मेदारी को निभाने से भी बच रही है। यह देखकर अफसोस होता है कि नेहरू जी के गुट निरपेक्ष आंदोलन से लेकर इंदिरा गांधी के बांग्लादेश निर्माण तक भारत ने हमेशा वैश्विक राजनीति में मजबूती का परिचय दिया। कभी किसी महाशक्ति के दबाव में नहीं झुका। इसी परंपरा को आगे सभी प्रधानमंत्रियों ने निभाया, चाहे वे किसी भी दल के हों, हमने अमेरिका के सामने समर्पण नहीं किया। 2013 का देवयानी खोबरागड़े मामला यहां याद आता है, जब मनमोहन सिंह सरकार ने अमेरिकी राजनयिकों की सुविधाएं छीनकर श्जैसे को तैसाश जवाब दिया था। लेकिन अब आईआरआईएस डेना पर हमले के बाद मोदी सरकार की श्रणनीतिक चुप्पीश ने भारत की साख खतरे में डाल दी है। अमेरिका की इस मनमानी पर चुप रहना एक तरफ अतिथि देवो भव के हमारे संस्कारों का अपमान है और दूसरी तरफ अपनी संप्रभुता की परवाह न करना भी दिखाता है। गौरतलब है कि 10 साल पहले फरवरी 2016 में नरेन्द्र मोदी ने एक पोस्ट में बताया था कि हिंद महासागर क्षेत्र मेरी प्रमुख नीतिगत प्राथमिकताओं में से एक है। इसी तरह का बयान पिछले साल नौसेना प्रमुख ने दिया था कि हिंद महासागर का नाम हमारे नाम पर रखा गया है, अगर हम इसका ख्याल नहीं रखेंगे तो कौन रखेगा। तो अब सवाल है कि नरेन्द्र मोदी की नजर में ऐसे बयानों का कोई अर्थ अब है भी या नहीं। खुद को हिंद महासागर का असली रक्षक कहने वाले भारत की श्चुप्पीश क्या उसी कूटनीतिक दबाव और समझौतापरस्त होने का संकेत है, जिस पर राहुल गांधी कहते हैं कि पीएम इज कॉम्प्रोमाइज्ड। भारत के लिए यही श्रेयस्कर है कि अपने क्षेत्र में होने वाली ऐसी हिंसक घटनाओं पर वह मूकदर्शक बनकर नहीं रहे। हमें अपनी स्वायत्तता और मेहमान की सुरक्षा को सर्वोपरि रखना होगा। हिन्द महासागर में आईआरएस–डेना के डूबने की घटना को युद्ध की कार्रवाई कहकर टाल देना भारत के लिए रणनीतिक भूल होगी। अगर आज भारत अमेरिका की इस नापाक हरकत पर चुप रहा तो भविष्य में इसका बड़ा खामियाजा देश भुगतेगा। क्योंकि दुनिया में संदेश यही जाएगा कि अमेरिका के निशाने पर ईरानी युद्धपोत था, लेकिन उसका असली उद्देश्य भारत को अपमानित करना था।

सुप्रीमकोर्ट में आठ्वीं की किताबः संस्थागत गरिमा बनाम शैक्षिक स्वायत्तता

अरुण कुमार डनायक

हाल ही में राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की कक्षा 8 की सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तक में सम्मिलित एक अध्याय ने व्यापक सार्वजनिक एवं विधिक विमर्श को जन्म दे दिया है। हमारे समाज में न्यायपालिका की भूमिका शीर्षक अध्याय में न्यायिक व्यवस्था के समक्ष उपस्थित चुनौतियों का उल्लेख करते हुए न्यायपालिका के विभिन्न स्तरों पर भ्रष्टाचार तथा न्यायाधीशों की कमी, जटिल विधिक प्रक्रियाओं और कमजोर अवसंरचना के कारण लंबित भारी बोझ को रेखांकित किया गया है। उल्लेखनीय है कि लगभग 80 हजार मामले सर्वोच्च न्यायालय में, 60 लाख उच्च न्यायालयों में और करीब पांच करोड प्रकरण निचली अदालतों में लंबित हैं। पाठ्यपुस्तक में भ्रष्टाचार का उल्लेख करते हुए न्यायाधीशों की आचार–संहिता, शिकायत–निवारण तंत्र, 1,600 से अधिक शिकायतों तथा महाभियोग जैसी संवैधानिक प्रक्रिया का भी विवरण दिया गया है। इसमें केवल आरोप नहीं, बल्कि जवाबदेही की संरचना भी स्पष्ट की गई है। गंभीर मामलों में संसद श्महाभियोगश द्वारा न्यायाधीश को पदच्युत कर सकती है, यद्यपि यह प्रक्रिया समुचित जाँच और निष्पक्ष अवसर के बाद ही आगे बढ़ती है। यह स्वीकार किया गया है कि विशेषकर गरीब और वंचित वर्ग कभी–कभी भ्रष्टाचार का अनुभव करते हैं, इसलिए पारदर्शिता, प्रौद्योगिकी और त्वरित कार्रवाई के माध्यम से न्यायिक व्यवस्था में विश्वास सुदृढ़ करने के प्रयास जरूरी हैं। विवाद का केंद्र यह नहीं था कि पाठ्यपुस्तक ने न्यायिक व्यवस्था की चुनौतियों का उल्लेख किया, बल्कि यह आपत्ति थी कि भ्रष्टाचार की चर्चा केवल न्यायपालिका के संदर्भ में की गई, जबकि राजनीति, कार्यपालिका और नौकरशाही जैसे अन्य क्षेत्रों में व्याप्त समस्याओं का समतुल्य उल्लेख नहीं था। कपिल सिब्बल और अभिषेक मनु सिंघवी सहित अनेक वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने प्रधान न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष यह तर्क रखा कि इस प्रस्तुतिकरण से एक असंतुलित छवि निर्मित होती है, जो विद्यार्थियों में धारणा बना सकती है, मानो भ्रष्टाचार का प्रश्न मुख्यतरू या विशिष्ट रूप से न्यायपालिका से ही जुड़ा है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने इस विषय को गंभीर बताते हुए कहा कि वे शकिसी को भी संस्था को बदनाम करने की अनुमति नहीं देंगे।श उन्होंने संकेत दिया कि यह एक श्सुनियोजित और गहनश विषय हो सकता है। गौरतलब है कि सर्वोच्च न्यायालय ने इस प्रकरण में केवल स्वतरू संज्ञान लिया थाय उसने न तो कोई अंतरिम प्रतिबंध लगाया था, न ही पाठ्यपुस्तक पर रोक का आदेश पारित किया था। इसके बावजूद सरकार ने न्यायालय की अंतिम टिप्पणी या विस्तृत सुनवाई की प्रतीक्षा किए बिना पूरी पुस्तक को ही वापस लेने का निर्णय कर लिया। यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या यह कदम न्यायिक आदेश के अनुपालन में था, अथवा संभावित असहमति से पूर्व ही आत्मसमर्पण की प्रवृत्ति का संकेत? लोकतांत्रिक व्यवस्था में संस्थागत संवाद की अपेक्षा की जाती है, न कि आशंकाओं के आधार पर त्वरित वापसी की। प्रश्न उठता है कि क्या न्यायपालिका, अधिवक्ताओं व सरकार द्वारा की गई कार्रवाई निष्पक्ष और विवेकपूर्ण थी? यदि पाठ्यपुस्तक में वही तथ्य उल्लिखित थे, जिन्हें स्वयं न्यायपालिका और पूर्व मुख्य न्यायाधीश भी समय–समय पर स्वीकार करते रहे हैं और जिनके परिप्रेक्ष्य में आत्ममंथन तथा संस्थागत सुधार की आवश्यकता पर बल दिया गया है, तो फिर उन्हें हटाना क्या वास्तव में समाधान कहा जा सकता है? अतीत में कुछ न्यायाधीशों पर लगे गंभीर आरोपों ने न्यायपालिका की पारदर्शिता पर प्रश्न खड़े किए हैंकृकर्नाटक उच्च न्यायालय के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश पीडी दिनाकरन पर आय से अधिक संपत्ति के आरोपों के बाद महाभियोग की प्रक्रिया प्रारंभ हुई थी। इसी प्रकार, न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के आधिकारिक आवास से जले हुए नोटों की बरामदगी ने व्यापक सार्वजनिक बहस को जन्म दिया था। ऐसे प्रकरणों में जाँच धीमी संस्थागत प्रक्रिया के तहत आगे बढ़ती रही, किंतु जनमानस में यह प्रश्न बना रहा कि जवाबदेही त्वरित और दृश्य रूप में क्यों नहीं उभरती। अधीनस्थ न्यायालयों पर यह आरोप उठते रहे हैं कि पेशियों की तिथियाँ बढ़वाने, कार्य–सूची में हेर–फेर करने या न्यायिक प्रक्रिया को प्रभावित करने हेतु रिश्वत का लेन–देन होता है। विशेष रूप से जमानत संबंधी मामलों में यह धारणा भी व्यक्त की जाती रही है कि उच्चतम न्यायालय द्वारा प्रतिपादित सिद्धांतों के बावजूद निचली अदालतों में अनावश्यक विलंब या कठोरता देखी जाती है। यद्यपि ऐसे आरोप पूरी न्याय–व्यवस्था पर नहीं लगाए जा सकते, लेकिन उनकी पुनरावृत्ति संकेत देती है कि निचले स्तर पर निगरानी और पारदर्शिता को और सुदृढ़ करना आवश्यक है। न्यायपालिका की वास्तविक गरिमा केवल उच्च आदर्शों से नहीं, बल्कि प्रत्येक स्तर पर निष्पक्षता के प्रत्यक्ष अनुभवों से स्थापित होती है। लोकतंत्र में संस्थाएँ केवल शक्तिशाली नहीं, उत्तरदायी भी होती हैं। यदि किसी संस्था पर लगे आरोपों की चर्चा को ही अवमानना या बदनामी मान लिया जाए, तो विमर्श का दायरा संकुचित हो सकता है। साथ ही, यह भी उतना ही सत्य है कि आलोचना तथ्याधारित, संतुलित और मर्यादित होनी चाहिए। यदि समर्थ संस्थाएँ आलोचनात्मक उल्लेख पर त्वरित दमनात्मक प्रतिक्रिया देंगी, तो यह प्रवृत्ति अन्य क्षेत्रों में भी उदाहरण बन सकती है। एनसीईआरटी एक स्वायत्त शैक्षिक संस्था है, जिसका दायित्व अकादमिक मानकों और विशेषज्ञों की अनुशंसाओं के आधार पर पाठ्यक्रम निर्धारण करना हैय किंतु समय–समय पर उस पर राजनीतिक अथवा वैचारिक दबावों के आरोप लगते रहे हैं। इतिहास की पुस्तकों में अध्यायों के पुनर्लेखन और विलोपन के विवाद तो चर्चित रहे ही हैं, परंतु विज्ञान के क्षेत्र में भी बहस उठी है, विशेषतरू जब कक्षा 9–10 के पाठ्यक्रम से चार्ल्स डार्विन के शविकासवादश के सिद्धांत से संबंधित अंशों को हटाए जाने का निर्णय लिया गया। ऐसे प्रसंग शिक्षा की स्वायत्तता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और अकादमिक स्वतंत्रता पर व्यापक प्रश्न खड़े करते हैं। यह विवाद केवल एक अध्याय का नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक परिपक्वता की वास्तविक परीक्षा का है। न्यायपालिका की गरिमा और जनविश्वास की रक्षा उतनी ही अनिवार्य है जितना यह सुनिश्चित करना कि हमारी शिक्षा यथार्थ से आंखें न मूंदे। संस्थाओं की मजबूती आलोचना के अभाव में नहीं, बल्कि पारदर्शिता, आत्मसुधार और निर्भीक संवाद से ही आती है। सवाल यह नहीं कि भ्रष्टाचार का उल्लेख क्यों हुआ, बल्कि यह है कि क्या हमारी संस्थाएँ इतनी आत्मविश्वासी हैं कि वे आलोचनात्मक विमर्श को चुनौती के रूप में स्वीकार कर सकें। लोकतंत्र में न्याय, शिक्षा और अभिव्यक्तिकृतीनों का संतुलित होना ही असली संस्थागत गरिमा की कसौटी है, और यही हमारी सच्ची परीक्षा है।

रिश्तेदारों ने कहा- फिल्मों में जाएगी तो शादी नहीं होगी

दिल्ली के वसंत विहार की एयर इंडिया कॉलोनी में पली–बढ़ीं तृप्ति डिमरी के सपनों की उड़ान घर के सांस्कृतिक माहौल से शुरू हुई। पिता दिनेश डिमरी रामलीला मंच के सक्रिय कलाकार रहे, लेकिन हालातों ने उनके अभिनय के सपने को पेशे में बदलने नहीं दिया। शायद वही अधूरा सपना तृप्ति की आंखों में आकार लेने लगा। दिल्ली पब्लिक स्कूल से पढ़ाई और श्री अरबिंदो कॉलेज से समाजशास्त्र में ग्रेजुएशन की डिग्री के दौरान मॉडलिंग का एक छोटा–सा मौका मिला, जिसने उन्हें मुंबई तक पहुंचा दिया। संतूर के विज्ञापन से शुरुआत हुई, लेकिन आगे का रास्ता आसान नहीं था। रिश्तेदारों ने ताना मारा कि एक्ट्रेस बनने के बाद कोई शादी नहीं करेगा। इंडस्ट्री में उनके लुक और अपीयरेंस को लेकर जज किया गया। ऑडिशन में रिजेक्शन झेले, टिपिकल हीरोइन न दिखने की टिप्पणी की गई। कई बार आत्मविश्वास टूटा, मगर माता–पिता का साथ उनकी ताकत बना रहा। 'पोस्टर बॉयज' से डेब्यू के बाद भी संघर्ष खत्म नहीं हुआ। 'लैला मजनू' जैसी संवेदनशील फिल्म ने अभिनय की पहचान दी, पर व्यावसायिक असफलता ने फिर शून्य पर ला खड़ा किया। 'बुलबुल' और 'कला' में कंटेंट–ड्रिवन सिनेमा की मजबूत अभिनेत्री के रूप में सराहना मिली, लेकिन व्यापक लोकप्रियता दूर थी। 2023 में 'एनिमल' ने तस्वीर बदल दी। सीमित स्क्रीन टाइम के बावजूद उनका किरदार चर्चा का केंद्र बना और वे रातोंरात 'नेशनल क्रश' कहलाने लगीं। आज बड़े बैनर और बड़े सितारों के साथ काम कर रहीं हैं। आज की सक्सेस स्टोरी में जानते हैं तृप्ति डिमरी की लाइफ और करियर से जुड़ी कुछ ऐसी ही कुछ और खास बातें.

. रामलीला से मिला अभिनय का संस्कार तृप्ति डिमरी का जन्म 23 फरवरी 1994 को दिल्ली में हुआ। उनका परिवार मूल रूप से उत्तराखंड के गढ़वाल से है, लेकिन पिता दिनेश डिमरी की एयर इंडिया में नौकरी के कारण परिवार दिल्ली में बस गया। वे वसंत विहार स्थित एयर इंडिया कॉलोनी में रहते हैं। तृप्ति के पिता को अभिनय और मंच से खास लगाव था। वे हर साल 10 दिनों तक रामलीला और दशहरा समारोह आयोजित करते थे और करीब 30 साल तक रामलीला कमिटी के सदस्य रहे। बचपन में उन्होंने राम और रावण जैसे किरदार भी निभाए। फिल्मफेयर को दिए इंटरव्यू में तृप्ति ने बताया था कि घर में कला और संस्कृति का माहौल था, जिसने उनके अंदर अभिनय के प्रति झुकाव पैदा किया। पढ़ाई और मॉडलिंग की शुरुआत तृप्ति डिमरी ने 12वीं तक की पढ़ाई दिल्ली पब्लिक स्कूल से की। इसके बाद उन्होंने नई दिल्ली के श्री अरबिंदो कॉलेज से समाजशास्त्र में ग्रेजुएशन किया। कॉलेज के दौरान उनके भाई के एक दोस्त ने पार्क में उनका फोटोशूट किया और तस्वीरें एक मॉडलिंग एजेंसी को भेज दीं। एजेंसी ने उन्हें ऑडिशन के लिए बुलाया और वे सिलेक्ट हो गईं। मुंबई का सफर और फिल्मों में एंट्री तृप्ति को पहला मौका संतूर साबुन के विज्ञापन में मिला, जिसकी शूटिंग मुंबई में हुई। इस प्रोजेक्ट के बाद उन्होंने मुंबई में ही रुकने का फैसला किया और फिल्मों के लिए ऑडिशन देने लगीं। इसी दौरान उन्हें श्रीदेवी स्टारर फिल्म 'मॉम' में एक छोटा सा किरदार निभाने का अवसर मिला। यहीं से उनके फिल्मी सफर की शुरुआत हुई। रिश्तेदारों ने कहा कि शादी नहीं होगी इस दौरान तृप्ति के रिश्तेदारों को पता चल गया कि वो एक्टिंग के लिए कोशिश कर रही हैं। रिश्तेदारों ने तृप्ति के पेरेंटस को ताना मरने लगे। तृप्ति कहती हैं– 'कुछ रिश्तेदारों ने मेरे पेरेंट्स से कहा था कि अगर आपकी बेटी फिल्मों में जाएगी, तो उसकी शादी नहीं हो पाएगी। ऐसे कमेंट्स मेरे पेरेंट्स के लिए आसान नहीं थे, लेकिन फिर भी उन्होंने मेरा साथ दिया। श्पोस्टर बॉयजश ने मेरे पेरेंट्स को भरोसा दिलाया 2017 में श्पोस्टर बॉयजश से डेब्यू किया। उस समय मुंबई नई–नई आई थी, तब पता नहीं था कि क्या करना है। मुंबई शहर अजनबी लगता था। इस फिल्म के लिए पहली बार ऑडिशन में रिजेक्ट हो गई थी। फिर मुझे दोबारा ऑडिशन के लिए बुलाया गया और सेलेक्ट हो गई। पहली ही फिल्म में सनी देओल, बॉबी देओल और श्रेयस तलपड़े के साथ काम करने का मौका मिला। उस समय बहुत घबराहट थी, लेकिन उत्साह भी था। इंडस्ट्री में जगह बनाना मुश्किल था, फिर भी गर्व महसूस हुआ। इस फिल्म ने परिवार को भरोसा दिलाया। कैमरे के सामने खड़े होने का आत्मविश्वास मिला। पहले बहुत शर्मीली थी, लेकिन रोज सौ लोगों के सामने परफॉर्म करने से डर दूर हुआ। फैसला लिया कि कभी रुकूंगी नहीं। आउटसाइडर के लिए इंडस्ट्री में जगह बनाना मुश्किल लेकिन एक आउटसाइडर के रूप में अपनी जगह बनाना आसान नहीं था। ऑडिशन का सिलसिला करीब डेढ़ साल तक चला। कभी–कभी एक ही दिन में तीन–चार ऑडिशन देने पड़ते थे। ऑडिशन के बारे में बहुत कम जानकारी दी जाती थी, लेकिन उम्मीद होती थी कि आप किरदार को पूरी तरह जीवंत कर दें। इतने सारे लोगों के सामने सिर्फ एक या दो मौके मिलते थे। लुक और अपीयरेंस को लेकर ताने मिले शुरू में मेरे लुक और अपीयरेंस को लेकर जज किया गया। मुझसे कहा गया कि तुम बहुत सिंपल हो, तुम टिपिकल हीरोइन जैसी नहीं लगतीं, तुम ग्लैमरस नहीं हो। ऐसे कमेंट्स ने कई बार आत्मविश्वास तोड़ा। उस दौर ने मुझे बहुत कुछ सिखाया कि धैर्य, निरंतरता और खुद को हर बार नया बनाए रखने की जरूरत है। काम मिलने के बाद भी चुनौती खत्म नहीं होती। आपको हर बार कुछ नया लाना पड़ता है, ताकि न दर्शक ऊबें और न आप खुद। श्लैला मजनूश की शूटिंग के दौरान रो पड़ी 2018 में रिलीज फिल्म श्लैला मजनूश मेरे लिए बहुत खास थी। क्योंकि यह मेरी पहली लीड भूमिका वाली फिल्म थी। इस फिल्म की शूटिंग के दौरान एक्टिंग की बारीकियां सीखने को मिली। उस फिल्म ने मुझे बहुत कुछ सिखाया। हालांकि फिल्म की शूटिंग के दौरान कई चुनौतियां थीं क्योंकि हम कश्मीर की घाटियों में लगातार 20 या 24 घंटे तक शूटिंग करते थे। कई बार उस दौरान मैं रो पड़ी, यह सोचकर कि मैं क्या कर रही हूं, क्योंकि कुछ भी आसान नहीं था। हम स्थानीय लोगों के घरों में जाते और वहीं खाना खाते थे, और मुझे कश्मीर से गहरा लगाव हो गया। जब फिल्म अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई, तो मुझे बहुत निराशा हुई क्योंकि हम फिर से शून्य पर आ गए थे। और फिर हमने दोबारा ऑडिशन देना शुरू किया। तृप्ति ने 'बुलबुल' में 19वीं सदी के बंगाल में पितृसत्ता की शिकार लड़की बुलबुल का किरदार निभाया, जो चुड़ैल बनकर बदला लेती है। 'कला' में संघर्षशील पार्श्वगायिका का किरदार निभाया था। तृप्ति ने 'बुलबुल' में 19वीं सदी के बंगाल में पितृसत्ता की शिकार लड़की बुलबुल का किरदार निभाया, जो चुड़ैल बनकर बदला लेती है। 'कला' में संघर्षशील पार्श्वगायिका का किरदार निभाया था। 'बुलबुल' और 'कला' में काम करते वक्त डरी हुई थी श्बुलबुलश में काम करते वक्त मन में शंका थी।

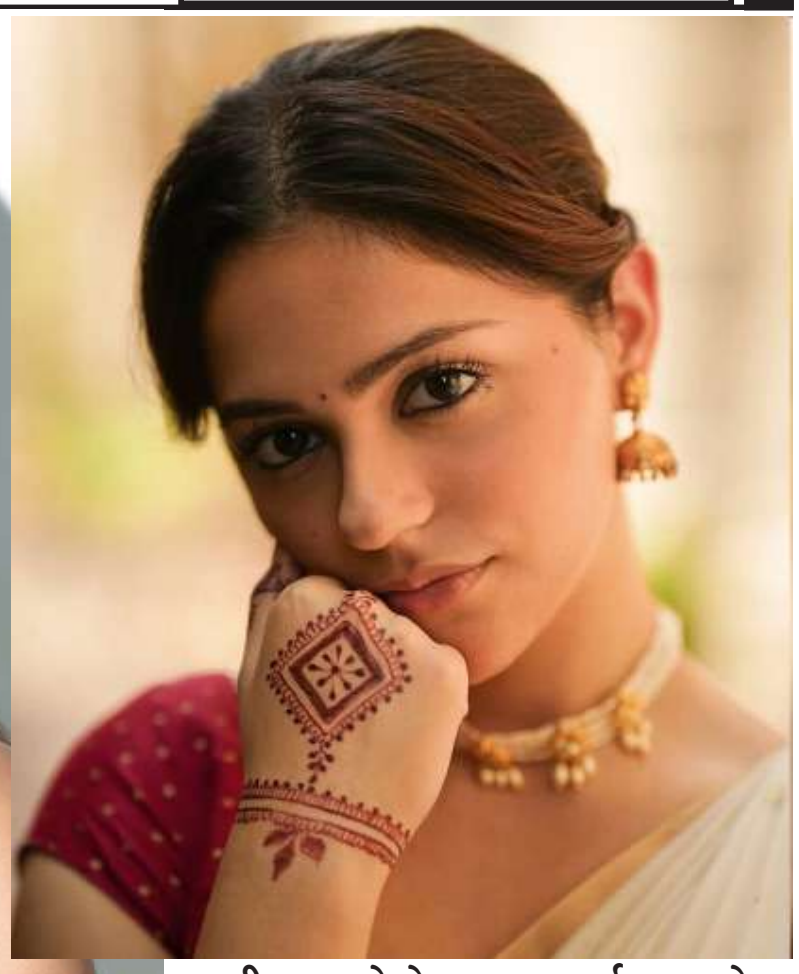

अनीत पड्डा से लेकर सारा अर्जुन तक..डेब्यू करने वाली इन एक्ट्रेसेस ने अपने अभिनय से दर्शकों को किया प्रभावित

हिंदी सिनेमा हर साल नए कलाकारों को मौका देता है और उनमें से कुछ कलाकार अपने पहले ही काम से दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ देते हैं। हाल के समय में जिन नई अभिनेत्रियों ने अपने डेब्यू से लोगों का ध्यान खींचा है, उनमें अनीत पड्डा, सारा अर्जुन और अदिति भाटिया के नाम खास तौर पर शामिल हैं। अलग–अलग पृष्ठभूमि से आने के बावजूद, इन तीनों ने अपनी मजबूत स्क्रीन प्रेजेंस और अच्छे अभिनय से खुद को अलग पहचान दिलाई है। अनीत पड्डा ने फिल्म "सैयारा" के साथ सिनेमा की दुनिया में कदम रखा और अपने अभिनय से दर्शकों का ध्यान खींचा। अपने किरदार में उन्होंने ताजगी और सच्चाई दिखाई, जिससे उनका अभिनय काफी सहज और स्वाभाविक लगा। भावनाओं को सही तरीके से दिखाने और दर्शकों से जुड़ने की उनकी क्षमता ने उनके डेब्यू को खास बना दिया। इसी वजह से उन्हें इंडस्ट्री के नए और उभरते चेहरों में गिना जा रहा है। सारा अर्जुन बहुत छोटी उम्र से ही मनोरंजन जगत से जुड़ी हुई हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत एक बाल कलाकार के रूप में की थी। समय के साथ उन्होंने कई अच्छे प्रोजेक्ट्स में काम किया और अपनी अभिनय क्षमता को साबित किया। अब फिल्म "धुरंधर" के साथ सारा अपने करियर के नए दौर में कदम रख रही हैं। इस फिल्म में वह एक ज्यादा परिपक्व और मजबूत भूमिका निभा रही हैं। उनकी आत्मविश्वास भरी स्क्रीन प्रेजेंस और गहरी भावनाएं दिखाने की क्षमता उनके अनुभव को साफ दिखाती है। अदिति भाटिया ने भी अपने करियर की शुरुआत एक बाल कलाकार के रूप में की थी। इसके साथ ही वह विज्ञापन की दुनिया में भी काफी समय से काम कर रही हैं और कई विज्ञापनों में दिखाई दे चुकी हैं। अब फिल्म "द केरला स्टोरी 2" के साथ वह मुख्य अभिनेत्री के रूप में बड़े पर्दे पर डेब्यू कर रही हैं। इस फिल्म में अदिति अपने किरदार में सच्ची भावनाएं और गहराई लेकर आती हैं। वह ऐसी भूमिका निभा रही हैं जिसमें कई मुश्किल परिस्थितियां दिखाई जाती हैं। मुख्यधारा के सिनेमा में उनका यह कदम उनके अभिनय सफर का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। अनीत पड्डा, सारा अर्जुन और अदिति भाटिया जैसे कलाकारों का उभरना यह दिखाता है कि हिंदी सिनेमा में नई पीढ़ी के कलाकार आगे आ रहे हैं। आज के दर्शक नए चेहरों और नई प्रतिभाओं को देखने के लिए तैयार हैं, और इन अभिनेत्रियों ने अपने पहले ही काम से एक मजबूत छाप छोड़ी है। जैसे–जैसे फिल्म इंडस्ट्री आगे बढ़ रही है, इन कलाकारों के शुरुआती प्रदर्शन यह बताते हैं कि आने वाले समय में इनका सफर बड़े पर्दे पर काफी सफल और दिलचस्प हो सकता है।

मलाइका अरोड़ा इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर फिर से सुर्खियों में छाई हुई है. दरअसल नेटिजन्स को लग रहा है कि अर्जुन कपूर से ब्रेकअप के बाद अब एक्ट्रेस आगे बढ़ चुकी हैं और उनकी लाइफ में नए प्यार ने दस्तक भी दे दी है. दरअसल मलाइका की एक मिस्ट्री मैन संग तस्वीर रेडिट पर वायरल हो रही है. जिसके बाद नेटिजन्स कयास लगा रहे हैं कि बॉलीवुड दीवा ने अपने नए बॉयफ्रेंड के साथ इटली में वैलेंटाइन डे मनाया था? मलाइका ने मिस्ट्री मैन संग इटली में मनाया वैलेंटाइन? बता दें कि एक रेडिटर ने मलाइका की मिस्ट्री मैन के साथ एक फोटो शेयर की है और लिखा है, "ट्रेवी फाउंटेन पर मलाइका का वैलेंटाइन?? 14 फरवरी को ट्रेवी फाउंटेन पर मलाइका अरोड़ा को उनके (नॉट सो) लिटिल बॉयफ्रेंड के साथ स्पॉट किया गया३" फोटो में, मिस्ट्री मैन को मशहूर ट्रेवी फाउंटेन के सामने मलाइका के साथ सेल्फी लेते देखा जा सकता है. हालांकि, कई रेडिटर्स ये भी कयास लगा रहे हैं कि हो सकता है ये फोटो किसी पीआर स्टंट के लिए बनाई गई हो. वहीं मलाइका ने इस फोटो को लेकर कोई रिएक्शन नहीं दिया है. मलाइका अरोड़ा ने इटली में नए बॉयफ्रेंड संग सेलिब्रेट किया था वैलेंटाइन डे? ऐसी तस्वीर हो रही वायरल पिछले साल मिस्ट्री मैन संग वायरल हुई थी वीडियो पिछले साल, मुंबई में एक कॉन्सर्ट में शामिल होने के दौरान मलाइका अरोड़ा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें वह एक मिस्ट्री मैन के साथ बातचीत करती दिख रही थीं. इस क्लिप ने तुरंत गॉसिप फैला दी, थी और उनके रिलेशनशिप की अफवाहें भी उड़ा दी थी।

झालावाड़ उपभोक्ता न्यायालय ने भ्रामक विज्ञापन मामले में बॉलीवुड अभिनेता ऋतिक रोशन, माउंटेन ड्यू कोल्ड ड्रिंक बनाने वाली कंपनी और डिस्ट्रीब्यूटर कंपनी को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने 1 महीने में नोटिस का जवाब मांगा है। एडवोकेट गुरुचरण सिंह ने उपभोक्ता आयोग में परिवार पेश करते हुए आरोप लगाया कि कोल्ड ड्रिंक कंपनी और इसके ब्रांड एंबेसडर ऋतिक रोशन विज्ञापन में जो दिखाते हैं, वह पूरी तरह भ्रामक है। विज्ञापन में दावा किया जाता है कि इस कोल्ड ड्रिंक को पीने से शरीर में अत्यधिक स्फूर्ति और ऊर्जा आती है, जिससे व्यक्ति असंभव लगने वाले साहसी काम भी आसानी से कर लेता है। एडवोकेट सिंह ने बताया कि विज्ञापन से प्रभावित होकर कोल्ड ड्रिंक खरीदी और उसको पीया, लेकिन विज्ञापन में किए गए दावों जैसा कोई अनुभव नहीं हुआ। उपभोक्ताओं को गुमराह करने का आरोप एडवोकेट गुरुचरण सिंह ने कोर्ट को बताया– कंपनी और फिल्म स्टार मिलकर उपभोक्ताओं को गुमराह कर रहे हैं।

अपनी हाथ और उंगलियों को हम दिन भर में कई बार कई सारे कामों के लिए इस्तेमाल करते हैं। इन्हीं हाथों से हम अपने चेहरे को भी छूते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि इन उंगलियों के नाखूनों के नीचे कई सारे माइक्रो ऑर्गनिज्म रहते हैं? जी हां, एक रिसर्च में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि नाखूनों के नीचे 32 अलग–अलग तरह के बैक्टीरिया और 28 तरह के फंगस पाए जाते हैं। ये रिसर्च अमेरिकन पोडियाट्रिक मेडिकल एसोसिएशन के जर्नल में प्रकाशित हुआ है। स्टडी में नाखूनों के नीचे से नमूने लिए और उसकी जांच की। इनमें से 50: नमूनों में सिर्फ बैक्टीरिया थे और 6.3: में सिर्फ फंगस थे और 43. 7: में बैक्टीरिया और फंगस का मिक्स ग्रुप पाया गया।

ये माइक्रो ऑर्गेनिज्म बन सकते हैं इन्फेक्शन का कारण

स्टडी करने वाले एक्सपर्ट्स का कहना था कि नाखूनों के नीचे पाए जाने वाले बैक्टीरिया और फंगस आमतौर पर हानिरहित होते हैं। हालांकि कुछ मामलों में कमजोर इम्यूनिटी वाले लोगों या जिनके नाखूनों में कोई चोट या संक्रमण है, उनमें ये माइक्रो ऑर्गेनिज्म इन्फेक्शन का कारण बन सकते हैं। इन्फेक्शन के लक्षणों में नाखूनों का रंग बदलना, सूजन, दर्द और मवाद निकलना शामिल हो सकते हैं। ऐसे में नाखूनों की साफ–सफाई न सिर्फ हमारी ब्यूटी के लिए जरूरी है, बल्कि हमारी सेहत के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण है।

ऐसे करें नाखूनों की सफाई

– दिन में कम से कम दो बार अपने हाथों और नाखूनों को साबुन और पानी से धोएं।

– नाखूनों के नीचे जम गंदगी को नरम ब्रश से साफ करें।

– लंबे नाखून रखने से बचें, क्योंकि इनमें गंदगी और कीटाणु ज्यादा आसानी से जमा होते हैं।

–नाखून काटने के लिए तेज धार वाले औजारों का इस्तेमाल करें और इन्हें छोटे आकार में ही रखें।

–नाखूनों में नेल पेंट लगाने से पहले और बाद में भी नाखूनों की सफाई करें।

– अगर नाखूनों में फंगल इंफेक्शन, सूजन जैसा कुछ महसूस हो तो डॉक्टर से संपर्क करें।

टैटू बनवाना आजकल फैशन का हिस्सा बन गया है। कई लोग नए– नए डिजाइन ढूंढ कर टैटू बनवाते हैं। लेकिन ये शौक खतरनाक साबित हो सकता है। ये हम नहीं कर रहे, बल्कि एक स्टडी में ये बात सामने आई है। जर्नल एनालिटिकल केमिस्ट्री में प्रकाशित एक स्टडी में दावा किया गया है कि टैटू की इंक में मौजूद केमिकल्स से स्किन कैंसर का खतरा रहता है। इसके अलावा ये इम्यून सिस्टम को कमजोर भी करता है। इससे शरीर के कई अंगों को भी नुकसान पहुंचाता है। अमेरिका में की गई इस स्टडी में 54 टैटू की इंक के नमूने लिए गए थे। इसके नतीजों से पता चला है कि इसमें से 90 प्रतिशत नमूनों में पॉलीइथिलीन ग्लाइकॉल और 2–फेनॉक्सीथेनॉल जैसे केमिकल हैं, जो सेहत के लिए बहुत हानिकारक है।

शरीर के लिए बहुत हानिकारक है टैटू की इंक

पॉलीइथिलीन ग्लाइकॉल की बात करें तो वो किडनी नेक्रॉसिस सहित शरीर के दूसरें अंगों को नुकसान पहुंचता है, तो वहीं 2–फेनॉक्सीथेनॉल नर्वस सिस्टम को प्रभावित करता है। स्टडी के प्रमुख एक्सपर्ट जॉन स्वर्क का कहना है कि इंक बनाने वाली कंपनी इन केमिकल्स का इस्तेमाल टैटू के बेहतर तमेनसजे के लिए करती हैं। एक्सपर्ट का कहना है कि टैटू बनवाने से पहले सावधानी बरतनी चाहिए। टैटू बनवाने से पहले इंक की क्वालिटी और इससे शरीर में होने वाले हेल्थ प्रॉब्लम्स के बारे में भी पता होना चाहिए।

पूरे खून के फैल जाती है टैटू की जहरीली इंक

टैटू बनाते वक्त बॉडी पार्ट के अंदर इंक डाली जाती है, जो व्हाइट ब्लड सेल के मैक्रोफेज द्वारा अब्जॉर्ब की जा सकती है, जिससे अंग पर बनाने के बाद ये अपनी जगह पर रहे। लेकिन कुछ मामलों में इंक में मौजूद गंदगी खून से मिक्स होकर पूरे शरीर में फैल जाएगी और स्किन कैंसर का कारण बन सकता है। वहीं इससे शरीर का कोई अंग पूरी तरह से डैमेज भी हो सकता है।

टैटू बनाने से हो सकती हैं ये हेल्थ प्रॉब्लम्स भी

– लिम्फ नोड में सूजन
– अंगों हो सकते हैं डैमेज
– एलर्जी
– इंफेक्शन

टैटू बनवाने से पहले भरते ये सावधानियां

– अच्छे प्रोफेशनल आर्टिस्ट से ही टैटू बनवाएं।
–इंक की क्वालिटी और उससे होने वाले हेल्थ इस्यूस के बारे में भी जान लें।
– टैटू बनवाने के बाद स्किन की अच्छे से केयर करें।

नेल पेंट अप्लाई करने से पहले अपनी स्किन टोन का ध्यान रखना बेहद जरूरी होता है। जिससे कि जब आप नाखूनों पर नेल पेंट लगाएं, तो आपके हाथ सुंदर नजर आएं। हम आपको बताने जा रहे हैं कि किस स्किन टोन के हिसाब से कौन सा नेल पेंट कलर अच्छा लगेगा।

आजकल लड़कियां नेल आर्ट या नेल एक्सटेंशन करवाना पसंद करती हैं। क्योंकि हर कोई अपने हाथों को सुंदर दिखाना पसंद करता है। वहीं जब किसी शादी या पार्टी में जाने की बात होती है, तो अधिकतर लड़कियां बाहर जाकर नेल्स पर नेल पेंट लगवाती हैं। जिससे कि उनके हाथ भी सुंदर दिख सकें। ऐसे में लड़कियां अपनी ड्रेस से मैचिंग या फिर अपनी पसंद का नेल पेंट नाखूनों पर अप्लाई करती हैं।

लेकिन नेल पेंट अप्लाई करने से पहले अपनी स्किन टोन का ध्यान रखना बेहद जरूरी होता है। जिससे कि जब आप नाखूनों पर नेल पेंट लगाएं, तो आपके हाथ सुंदर नजर आएं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि किस स्किन टोन के हिसाब से कौन सा नेल पेंट कलर अच्छा लगेगा।

ब्राइट स्किन टोन

बता दें कि सभी की स्किन टोन अलग–अलग होती है। वहीं अगर आपकी ब्राइट स्किन टोन है, तो आपको अपने नाखूनों पर डार्क कलर जैसे– ब्लू, ब्लैक, ग्रीन, डार्क रेड, येलो कलर ट्राई करना चाहिए। साथ ही आप ग्लिटर वाला नेल पेंट भी लगा सकती हैं। ग्लिटर वाला नेट पेंट नाखूनों पर अप्लाई करने से हाथ सुंदर नजर आते हैं।

डार्क स्किन टोन

डार्क स्किन टोन वाली लड़कियों को अपने नाखूनों पर कभी भी लाइट कलर का नेल पेंट नहीं लगाना चाहिए। क्योंकि इससे आपके हाथ और काले नजर आ सकते हैं। इससे अच्छा है कि आप डार्क कलर का नेल पेंट नाखूनों पर अप्लाई करें। आप ब्लैक, ब्राउन, येलो और ब्लू कलर छोड़कर कोई भी कलर का नेल पेंट लगा सकती हैं। इससे आपके हाथ काफी ज्यादा सुंदर दिखेंगे। वहीं अगर आप चाहें तो मैट या फिर ग्लॉसी नेल पेंट भी अप्लाई कर सकती हैं।

गेहुंआ स्किन टोन

अधिकतर लोगों की स्किन टोन गेहुंआ होती है। ऐसे में अगर आपकी स्किन टोन गेहुंआ है, तो आप लाइट कलर शेड लगा सकती हैं। इससे आपके हाथ काफी ज्यादा सुंदर लगेंगे। गेहुंआ स्किन टोन की खासियत होती है कि इस पर किसी भी तरह का नेल पेंट कलर अच्छा लगता है। बस प्रयास करें कि ग्लिटर वाला नेल पेंट न लगाएं। क्योंकि इससे आपके हाथ थोड़े काले नजर आ सकते हैं।

स्किन की देखभाल के लिए आमतौर पर महिलाएं पील ऑफ मास्क जरुर लगाती है। त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाने के लिए पील ऑफ मास्क चेहरे पर लगाती है लेकिन इसके कई सारे नुकसान होते हैं। क्या आप जानते हैं? जो आप पील ऑफ मास्क का इस्तेमाल करते है स्किन को ग्लो करने के लिए उसके कई नुकसान हैं।

स्किन को चमकदार बनाने के लिए महिलाएं कई सारे ब्यूटी प्रोडक्टस का इस्तेमाल करती हैं। त्वचा को स्वस्थ और साफ रखने के लिए पील ऑफ मास्क का प्रयोग जरुर करती है। लेकिन इसके ज्यादा इस्तेमाल करने से स्किन को कई नुकसान होते हैं। इन्ही नुकसानों के बारे में हम इस लेख में बताएंगे।

रेडनेस की समस्या

कई लोगों की त्वचा काफी सेंसिटिव होती है, तो पील ऑफ मास्क का उपयोग बिल्कुल न करें। अगर आप पील ऑफ मास्क को चेहरे पर अप्लाई करेंगे तो रेडनेस हो सकती है। इसके साथ ही आप एक्जिमा या किसी अन्य रोग के शिकार हो सकते हैं।

स्किन ड्राई होना

जो महिलाएं पील ऑफ मास्क का प्रयोग करती हैं वो लोग इसे इस्तेमाल न करें। पील ऑफ के मास्क की वजह से स्किन पर रूखापन आ सकता है जिससे स्किन ड्राई दिखने लगती है। इसमें मौजूद केमिकल्स स्किन को रूखा बना देते हैं।

एजिंग की समस्या

पील ऑफ मास्क इस्तेमाल करने की वजह से स्किन पर एजिंग होने लगती है। इसके कारण त्वचा में दर्द, रैशेज और एलर्जी की समास्या हो सकती है। ऐसे में इसको अपने स्किन केयर में शामिल न करें।

खुजली की समस्या

पील ऑफ मास्त बनाने के लिए पॉलिविनाइल एल्कोहल का उपयोग किया जाता है। यह प्लास्टिक एडेसिव होता है, जिसके कारण आपकी स्किन में खुजली की समस्या हो सकती है। इसे हफ्ते में 1 से ज्यादा बार इसका उपयोग न करें।

सीबम की कमी

स्किन में सीबम होता है, जो त्वचा में ऑयल को रोकने का काम करती है। लेकिन पील ऑफ का इस्तेमाल करने से सीबम की कमी होती है, जिस वजह से त्वचा का ऑयल कम हो जाता है।

पिंपल्स की समस्या

पील ऑप मास्क के इस्तेमाल करने से पिंपल्स की समस्या हो सकती है। इसलिए इसका ज्यादा इस्तेमाल करने से बचना चाहिए।

संक्षिप्त

बढ़ती तेल व उर्वरक कीमतें महंगाई बढ़ा सकती हैं

नई दिल्ली,एजेंसी। पश्चिम एशिया संकट के लंबे समय तक जारी रहने पर भारतीय रुपये की विनिमय दर पर दबाव पड़ सकता है। साथ ही, पेट्रोलियम एवं उर्वरकों की बढ़ती कीमतों के कारण महंगाई पर भी जोखिम बढ़ सकता है। वित्त मंत्रालय की शुक्रवार को जारी एक रिपोर्ट में कहा, इन जोखिमों के बीच कच्चे तेल का बड़ा आयातक होने के बावजूद भारत पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार, कम चालू खाते का घाटा और नियंत्रित महंगाई के कारण बढ़ती वैश्विक कीमतों के प्रभाव को आंशिक रूप से संतुलित करने में सक्षम है। हालांकि, यह संकट लंबा खिंचने की स्थिति में रुपये की विनिमय दर, चालू खाता घाटा और महंगाई पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) और कच्चे तेल पर निर्भर उर्वरक एवं पेट्रोरसायन जैसे क्षेत्रों पर भी इसका असर पड़ सकता है। वित्त मंत्रालय ने फरवरी की आर्थिक समीक्षा रिपोर्ट में कहा, सुरक्षित निवेश की ओर पूंजी का प्रवाह होने से मुद्रा पर अतिरिक्त दबाव पड़ेगा। वित्त मंत्रालय ने रिपोर्ट में कहा, ईरान पर हमलों के बाद बढ़े तनाव से होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही बाधित हो गई है। इस व्यवधान के बीच वैश्विक व्यापार में अनिश्चितता के बावजूद बाहरी क्षेत्र स्थिर बना हुआ है। साथ ही, अमेरिका और यूरोपीय संघ के साथ व्यापार समझौतों समेत सक्रिय व्यापार कूटनीति से निर्यात गंतव्यों का विविधीकरण एवं मध्यम अवधि में बाह्य मजबूती बढ़ने की उम्मीद है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक अनिश्चितता और पश्चिम एशिया संकट के बावजूद चालू वित्त वर्ष 2025–26 के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार मजबूत बनी हुई है।ध्इस अवधि में वास्तविक जीडीपी की वृद्धि दर 7.6 फीसदी रह सकती है, जबकि वास्तविक सकल मूल्यवर्धन वृद्धि 7.7 फीसदी रहने का अनुमान है। जनवरी, 2026 में आर्थिक गतिविधियां व्यापक आधार पर मजबूत रहीं, जिन्हें लॉजिस्टिक गतिविधि, पीएमआई में विस्तार और मजबूत मांग जैसे उच्च आवृत्ति संकेतकों का समर्थन मिला।

एमिरेट्स ने दुबई से क्यों की अपनी सभी उड़ानें निलंबित? यात्रियों को एयरपोर्ट न आने की सलाह

नई दिल्ली,एजेंसी। दुबई स्थित अंतरराष्ट्रीय एयरलाइन एमिरेट्स ने शनिवार को घोषणा की कि दुबई से आने–जाने वाली उसकी सभी उड़ानों को अगली सूचना तक निलंबित कर दिया गया है। एयरलाइन ने यात्रियों से अपील की है कि जब तक संचालन दोबारा शुरू होने की आधिकारिक जानकारी नहीं दी जाती, तब तक वे एयरपोर्ट की ओर यात्रा न करें। एयरलाइन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी बयान में कहा कि स्थिति सामान्य होने और अधिक जानकारी उपलब्ध होने पर आगे के अपडेट साझा किए जाएंगे। कंपनी ने स्पष्ट किया कि यात्रियों और क्रू सदस्यों की सुरक्षा उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस मामले में कोई समझौता नहीं किया जाएगा। साथ ही एयरलाइन ने इस असुविधा के दौरान यात्रियों से धैर्य और सहयोग बनाए रखने के लिए धन्यवाद भी दिया। एमिरेट्स ने बताया कि 28 फरवरी से 31 मार्च के बीच जिन यात्रियों की बुकिंग है, उन्हें लचीले यात्रा विकल्प दिए जाएंगे। ऐसे यात्री 30 अप्रैल तक अपनी यात्रा के लिए किसी वैकल्पिक उड़ान में बिना अतिरिक्त शुल्क के दोबारा बुकिंग करा सकते हैं। वहीं जिन यात्रियों ने टिकट ट्रैवल एजेंट के माध्यम से बुक किए हैं, उन्हें अपने एजेंट से संपर्क करने की सलाह दी गई है। सीधे एयरलाइन से टिकट बुक करने वाले यात्री एमिरेट्स के सपोर्ट चैनलों के जरिए मदद ले सकते हैं। अगर यात्री चाहें तो वे रिफंड फॉर्म भरकर टिकट की राशि वापस लेने का विकल्प भी चुन सकते हैं। एयरलाइन ने यह भी जानकारी दी कि दुबई में उसके सभी सिटी चेक–इन काउंटर फिलहाल अस्थायी रूप से बंद कर दिए गए हैं। यात्रियों से कहा गया है कि वे अपनी बुकिंग प्रोफाइल में संपर्क विवरण अपडेट रखें, ताकि संचालन से जुड़ी ताजा जानकारी उन्हें समय–समय पर मिलती रहे। एमिरेट्स ने कहा कि जैसे–जैसे स्थिति विकसित होगी, वह अपने आधिकारिक चैनलों के माध्यम से आगे की जानकारी साझा करता रहेगा। दरअसल दुबई अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के ऊपर एक जोरदार धमाके की आवाज सुनी गई, जिसके बाद आसमान में धुएं का गुबार दिखाई दिया। यह घटना ऐसे समय हुई है जब ईरान की ओर से खाड़ी क्षेत्र में हमलों का दबाव बढ़ा हुआ है।

भारत फाइनल जीता तो टी20 विश्वकप के 19 साल के इतिहास में पहली बार होगा ऐसा! क्या टूटेगा यह तिलिस्म ?

अहमदाबाद,एजेंसी। टी20 विश्व कप के इतिहास में 2024 तक हर बार ऐसा देखने को मिला है कि मेजबान या सह–मेजबान टीम खिताब जीतने में असफल रही है। इस बार भी सह–मेजबान श्रीलंका का सफर सुपर–8 में खत्म हो गया। अब सवाल यह है कि क्या भारत इस तिलिस्म को तोड़ पाएगा? भारतीय टीम फाइनल तक पहुंच चुकी है और अगर वह खिताब जीतने में सफल रहती है, तो टी20 विश्व कप के इतिहास में पहली बार कोई मेजबान टीम ट्रॉफी अपने नाम करेगी। टी20 विश्वकप 2026 का फाइनल अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। खिताबी मुकाबले में भारत और न्यूजीलैंड की टीमें आमने–सामने होंगी। यह मुकाबला शाम सात बजे शुरू होगा और टॉस इससे आधे घंटे पहले यानी शाम साढ़े छह बजे होगा। टीम इंडिया के सामने बड़ी चुनौती होगी, क्योंकि टी20 विश्वकप के 19 साल के इतिहास में कभी मेजबान टीम चौंपियन नहीं बनी है। इसे आप श्राप कहें या दुर्भाग्य कहें या फिर तिलिस्म, जो अब तक नहीं टूट सका है। हालांकि, अगर टीम इंडिया चैंपियन बनती है तो यह तिलिस्म भी टूट जाएगा। अगर ऐसा हुआ तो टी20 विश्वकप के 19 साल के इतिहास में पहली बार कोई मेजबान देश चैंपियन बनेगा। आइए अब तक रिकॉर्ड के बारे में जानते हैं–

2007– टी20 विश्वकप के पहले संस्करण यानी 2007 में दक्षिण अफ्रीका मेजबान था, लेकिन टीम सुपर–8 राउंड से ही बाहर हो गई थी। भारत ने पाकिस्तान को हराकर फाइनल और खिताब अपने नाम किया था।

2009– इंग्लैंड 2009 में टी20 विश्वकप का मेजबान था। हालांकि, टीम सुपर–8 राउंड में खराब प्रदर्शन के बाद बाहर हो गई थी। पाकिस्तान ने श्रीलंका को हराकर खिताब अपने नाम किया था।

2010रू वेस्टइंडीज ने 2010 में टी20 विश्वकप की मेजबानी की थी। हालांकि, स्टार्स से सजी टीम सुपर–8 में ही हारकर बाहर हो गई थी। इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर खिताब अपने नाम किया था।

2012– श्रीलंका को 2012 में टी20 विश्वकप की मेजबानी दी गई थी। संगकारा और जयवर्धने जैसे स्टार्स से सजी टीम फाइनल में तो पहुंची, लेकिन वेस्टइंडीज के हाथों हार मिली। 2026 में भारत से पहले सिर्फ श्रीलंका ही ऐसी टीम है, जो मेजबान होते हुए फाइनल में पहुंच पाई है।

2014– बांग्लादेश को 2014 में टी20 विश्वकप की मेजबानी मिली थी। हालांकि, टीम सुपर–10 में ही हारकर बाहर हो गई थी। श्रीलंका और भारत फाइनल में पहुंचे और श्रीलंका की टीम ने भारत को हराकर खिताब पर कब्जा जमाया था।

2016– भारत को 2016 टी20 विश्वकप की मेजबानी मिली थी। टीम सेमीफाइनल में वेस्टइंडीज से हारकर बाहर हो गई थी। बाद में वेस्टइंडीज टीम ही चैंपियन बनी थी। उसने फाइनल में इंग्लैंड को शिकस्त दी थी।

2021– 2021 में पहले तो भारत मेजबान था, लेकिन कोविड की वजह से यूएई और ओमान में मैचों को शिफ्ट किया गया। यूएई और ओमान की टीमें ग्रुप स्टेज में ही हारकर बाहर हो गई थीं। फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड को हराकर खिताब पर कब्जा जमाया था।

2022– ऑस्ट्रेलिया को 2022 टी20 विश्वकप की मेजबानी मिली, लेकिन टीम सुपर–12 राउंड से ही बाहर हो गई। फाइनल में इंग्लैंड ने पाकिस्तान को हराकर खिताब पर कब्जा जमाया था।

2024– वेस्टइंडीज और अमेरिका को 2024 टी20 विश्वकप की मेजबानी मिली थी। हालांकि, दोनों टीमें सुपर–8 राउंड में ही हारकर बाहर हो गई थी। फाइनल में भारत ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर खिताब पर कब्जा जमाया था।

2026– इस बार भारत और श्रीलंका मेजबान हैं। हालांकि, श्रीलंका की टीम सुपर–8 राउंड में बाहर हो गई। वहीं, भारत श्रीलंका के बाद बतौर मेजबान फाइनल में पहुंचने वाली दूसरी टीम बनी है। भारत के पास इस तिलिस्म को तोड़ने का मौका है। अगर टीम चैंपियन बनी तो इतिहास रच देगी।

टी20 विश्वकप के इतिहास में कोई टीम लगातार दो खिताब नहीं जीत पाई, क्या भारत कर पाएगा चमत्कार?

अहमदाबाद,एजेंसी। टी20 विश्वकप के इतिहास में अब तक कोई भी टीम लगातार दो बार खिताब नहीं जीत पाई है या यूं कहें कि अपने टाइटल को डिफेंड नहीं कर पाई है। ऐसे में भारत के पास इस बार इतिहास रचने का सुनहरा मौका है। भारतीय टीम ने रोहित शर्मा की अगुआई में 2024 में टी20 विश्व कप जीतकर लंबे समय बाद यह खिताब अपने नाम किया था। अब अगर टीम इंडिया 2026 का फाइनल भी जीत जाती है तो वह टी20 विश्व कप इतिहास में लगातार दो ट्रॉफी जीतने वाली पहली टीम बन जाएगी।

फाइनल में भारत का सामना न्यूजीलैंड से होगा। दोनों टीमों को शुरुआती स्टेज में जूझना पड़ा है और किसी तरह लड़ते– गिरते फाइनल में पहुंची है। भारत ने ग्रुप स्टेज के अपने सभी मैच जीते और सुपर–8 में पहुंची। सुपर–8 के पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद टीम ने लगातार दो मैच जीते और सेमीफाइनल में जगह बनाई। फिर इंग्लैंड को हराकर फाइनल में पहुंची है। वहीं, न्यूजीलैंड को ग्रुप स्टेज में दक्षिण अफ्रीका से हार मिली। सुपर–8 में भी इंग्लैंड से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, बेहतर नेट रन रेट के दम पर न्यूजीलैंड सेमीफाइनल में पहुंच गई। फिर उसने सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराकर रिकॉर्ड बनाया और फाइनल में पहुंची। अब दोनों टीमें खिताब के लिए जोर लगाएंगी।

इंग्लैंड को सेमीफाइनल में कड़े मुकाबले में हराने के बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव की अगुआई में टीम का आत्मविश्वास काफी ऊंचा है। वहीं, न्यूजीलैंड ने भी सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका को एकतरफा अंदाज में हराया था और नौ विकेट से जीत हासिल की थी। ऐसे में मुकाबला दिलचस्प रहने की उम्मीद है। टी20 विश्व कप के इतिहास में भारत, वेस्टइंडीज और इंग्लैंड ने दो–दो बार खिताब जीता है, लेकिन इनमें से कोई टीम लगातार दो खिताब नहीं जीत सकी है। भारत ने भी 2007 और 2024 में ट्रॉफी अपने नाम की है। वहीं, इंग्लैंड ने 2010 और 2022 में ट्रॉफी जीती। वेस्टइंडीज ने 2012 और 2016 में खिताब जीता था।

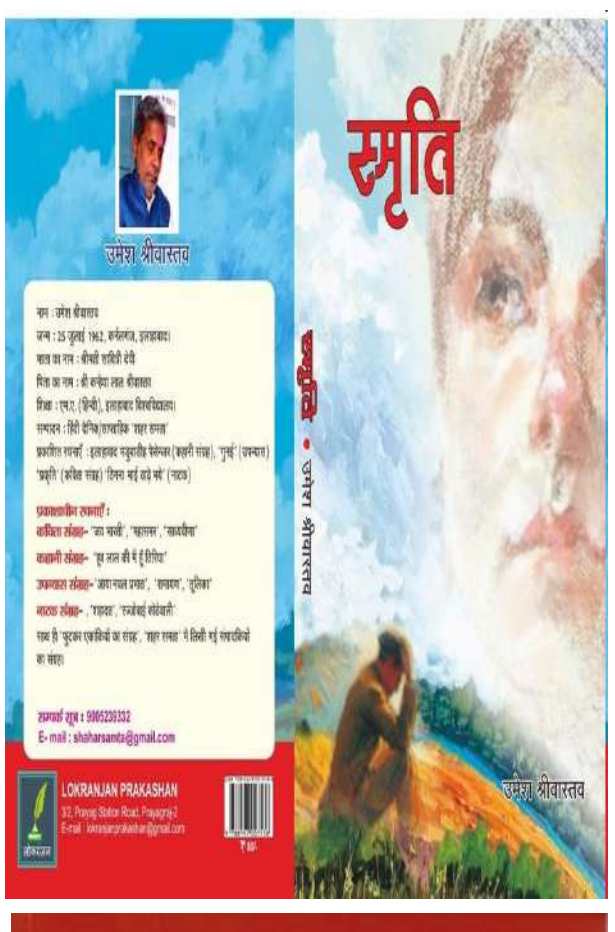

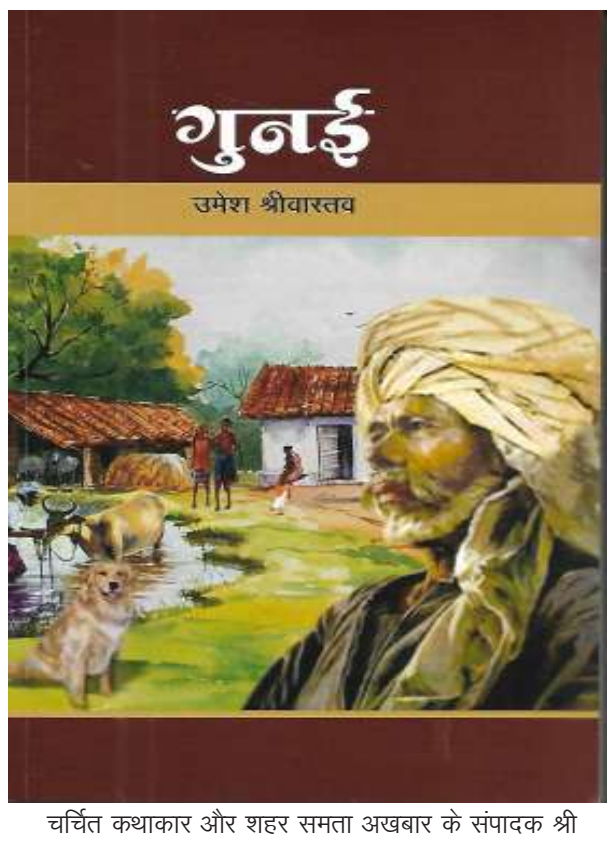

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

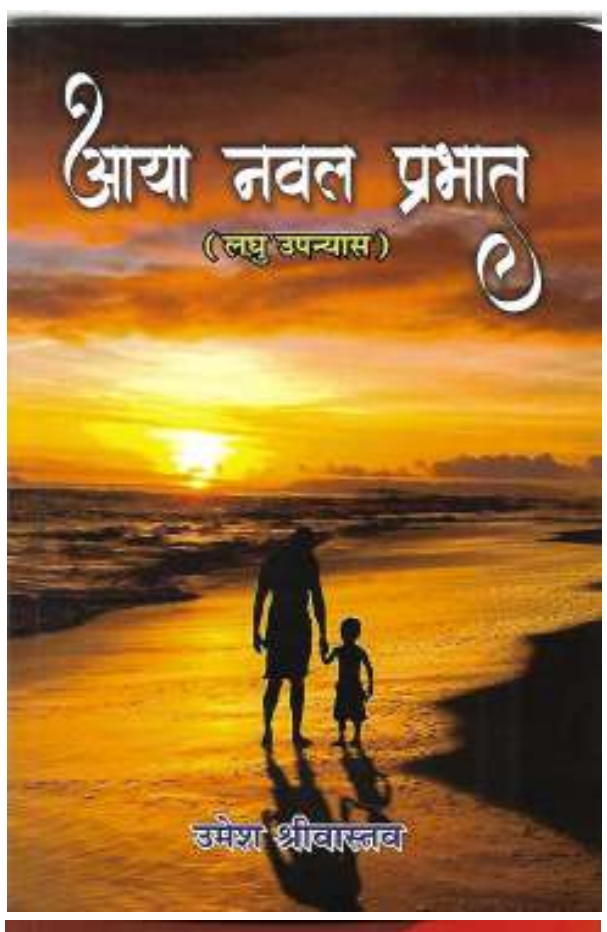

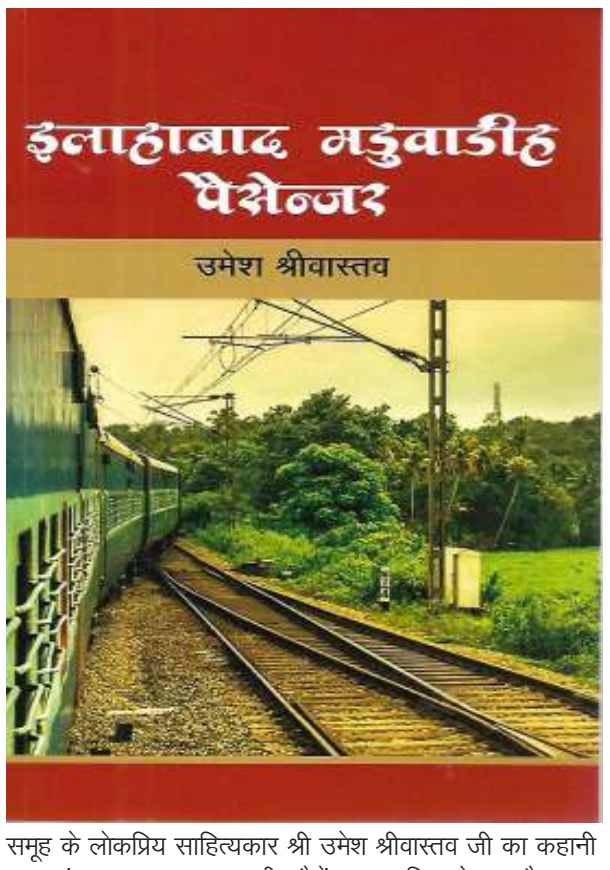

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

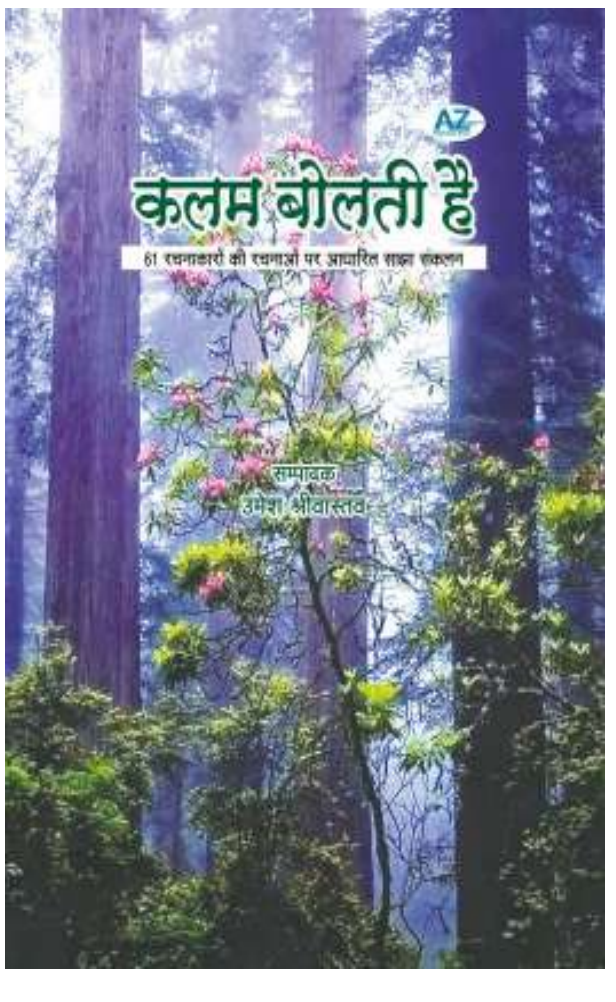

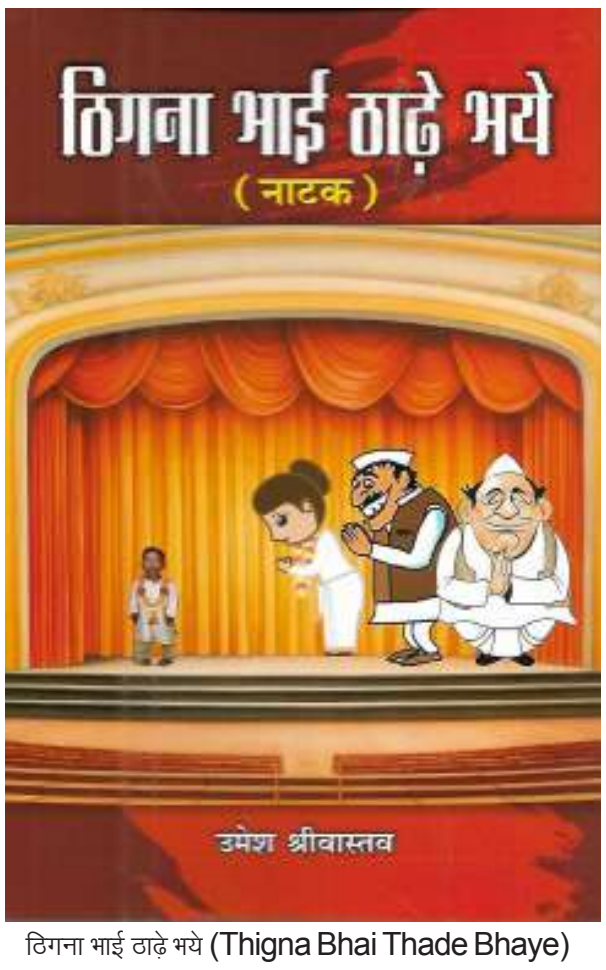

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

ईरान ने कहा- पड़ोसी देशों को तब तक निशाना बनाने का इरादा नहीं, जब तक उनकी जमीन से हमला न हो

तेहरान,एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने अमेरिका की उस मांग को सिरे से खारिज कर दिया है, जिसमें ईरान से बिना शर्त आत्मसमर्पण करने को कहा गया था। उन्होंने कहा कि ऐसी उम्मीद रखना सिर्फ एक सपना है, जो कभी पूरा नहीं होगा। राज्य टीवी पर प्रसारित अपने रिकॉर्डेड संदेश में उन्होंने अमेरिका पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि ईरान किसी भी दबाव के आगे झुकने वाला नहीं है। हालांकि अपने बयान में राष्ट्रपति पेजेशकियन ने क्षेत्रीय देशों पर हुए हमलों को लेकर खेद भी व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि हाल में खाड़ी के कुछ देशों पर हुए हमले गलतफहमी के कारण हुए और तेहरान आगे ऐसी घटनाओं को रोकने की कोशिश करेगा। जब तक कि उन देशों की जमीन से ईरान पर कोई हमला न किया जाए। ईरानी मीडिया के अनुसार राष्ट्रपति ने बताया कि ईरान की अंतरिम नेतृत्व परिषद ने कल इस फैसले को मंजूरी दी है। ईरान की ओर से यह बयान ऐसे समय आया है जब शनिवार सुबह बहरीन, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात पर हमलों की खबरें सामने आईं, जिससे पूरे क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ईरान के राष्ट्रपति पेजेशकियन से फोन पर बातचीत की। इस दौरान पुतिन ने क्षेत्र में जारी संघर्ष को तुरंत रोकने और शांति की दिशा में कदम उठाने की आवश्यकता पर बल दिया। बातचीत में रूसी राष्ट्रपति ने दोहराया कि ईरान से जुड़े विवादों का समाधान बल प्रयोग से नहीं बल्कि राजनीतिक और कूटनीतिक रास्तों से किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात को देखते हुए सभी पक्षों को संयम बरतना चाहिए और संवाद के जरिए समाधान तलाशना चाहिए। वहीं, अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने शनिवार को फॉक्स न्यूज से बातचीत में कहा है कि आज रात ईरान पर अब तक का सबसे बड़ा हमला किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस हमले का मकसद ईरान के मिसाइल लॉन्चर और मिसाइल बनाने वाली फैक्ट्रियों को भारी नुकसान पहुंचाना है।

ईरानी हमलों के मुद्दे पर अरब लीग के विदेश मंत्री रविवार को एक आपात बैठक करने जा रहे हैं। इस बैठक में कई अरब देशों के क्षेत्रों पर हुए ईरानी हमलों और क्षेत्रीय सुरक्षा स्थिति पर चर्चा की जाएगी। समाचार एजेंसी एएफपी के अनुसार, अरब लीग के सहायक महासचिव हुसाम जाकी ने बताया कि यह बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित की जाएगी। जानकारी के मुताबिक, इस आपात बैठक की मांग सऊदी अरब, कुवैत, कतर, ओमान, जॉर्डन और मिस्र ने संयुक्त रूप से की है। इन देशों का कहना है कि क्षेत्र में बढ़ते सैन्य तनाव और हमलों को देखते हुए तत्काल चर्चा और सामूहिक रुख तय करना जरूरी हो गया है। पश्चिम एशिया में हाल के दिनों में हालात तेजी से बदल रहे हैं। 28 फरवरी को जंग की शुरुआत से अब तक ईरान इस्राइल समेत पश्चिम एशिया के 13 देशों को निशाना बना चुका है।

रिहायशी इमारत तबाह, सात की मौत, जेलेंस्की ने सख्त कार्रवाई की उठाई मांग

कीव,एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध के बीच शनिवार को यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खारकीव में एक भीषण मिसाइल हमला हुआ। अधिकारियों के अनुसार रूसी मिसाइल एक पांच मंजिला रिहायशी इमारत से टकरा गई, जिससे कम से कम 7 लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए। घायलों में तीन बच्चे भी शामिल हैं। हमले के बाद राहत और बचाव दल मलबे में फंसे लोगों को निकालने के लिए लगातार अभियान चला रहे हैं।

ईरान की जंग में उतरेगा पाकिस्तान?रू आसिम मुनीर और सऊदी रक्षा मंत्री के बीच हुई बड़ी बैठकय जानें इसके मायने

दुबई, एजेंसी।ब अमेरिका–इस्राइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच सऊदी अरब सीधे निशाने पर है। खाड़ी के इस देश के ऑयल फील्ड और एयरपोर्ट पर लगातार हमले हो रहे हैं। इसी बीच रियाद में पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर और सऊदी रक्षा मंत्री खालिद बिन सलमान की अहम बैठक हुई। बैठक में ईरान के हालिया हमलों और उन्हें रोकने के उपायों पर चर्चा हुई। सऊदी रक्षा मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि बैठक संयुक्त रणनीतिक रक्षा समझौते के तहत हुई और इस दौरान दोनों पक्षों ने क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता को बनाए रखने पर जोर दिया। हाल के दिनों में ईरान ने सऊदी अरब के शायबा ऑयल फील्ड को निशाना बनाया। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि छह ड्रोन को मार गिराया गया, जबकि दो बैलिस्टिक मिसाइलें प्रिंस सुल्तान एयर बेस के पास नष्ट की गईं। यह क्षेत्र यूएई की सीमा के पास स्थित है और पिछले हमलों के बाद अब ईरान सीधे इसमें शामिल हो रहा है।

ईरान और सऊदी अरब के बीच बढ़ते तनाव के बीच पाकिस्तान की कूटनीतिक भूमिका अहम हो गई है। पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री इशाक डार ने संसद में खुलासा करते हुए कहा कि हाल के दिनों में ईरान द्वारा सऊदी अरब पर हमलों में कमी या प्रतिक्रिया न देने के पीछे पाकिस्तान की कूटनीतिक पहल रही है। यह खुलासा पश्चिम एशिया में भू–राजनीतिक स्थिति को और जटिल बना देता है। इशाक डार ने बताया कि पाकिस्तान का सऊदी अरब के साथ एक रणनीतिक रक्षा समझौता है। जब ईरान और सऊदी अरब के बीच तनाव बढ़ा, तो पाकिस्तान ने तत्काल ईरान से संपर्क किया। पाकिस्तान ने ईरान को इस रक्षा समझौते के बारे में आगाह किया और आश्वासन मांगा कि सऊदी अरब की जमीन का इस्तेमाल ईरान के खिलाफ नहीं किया जाएगा। पाकिस्तान ने ईरान को यह आश्वासन भी प्रदान किया। इस कूटनीतिक प्रयास ने तत्काल टकराव को टालने में मदद की। अब तक चल रहे संघर्ष में खाड़ी देशों ने सीधे टकराव से खुद को दूर रखा था और अमेरिका ने भी इन देशों की जमीन का इस्तेमाल अपने हमलों के लिए नहीं किया था। हालांकि, अगर ईरान द्वारा सऊदी अरब पर हमले जारी रहते हैं और सऊदी अरब–पाकिस्तान रक्षा समझौता सक्रिय हो जाता है, तो स्थिति पूरी तरह से बदल सकती है। यदि पाकिस्तान सऊदी अरब की ओर से ईरान के खिलाफ किसी भी सैन्य कार्रवाई में शामिल होता है, तो यह संघर्ष केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहेगा। यह सीधे तौर पर दक्षिण एशिया में भी फैल जाएगा, क्योंकि पाकिस्तान और ईरान के बीच एक लंबी सीमा लगती है।

ईरान के नागरिक इलाकों पर हो रही है बमबारी? UN में अमेरिका-इस्राइल पर गंभीर आरोप, 1300 मौतों का भी दावा

न्यूयॉर्क , एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने अमेरिका और इस्राइल पर गंभीर आरोप लगाए हैं। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के स्थायी प्रतिनिधि आमिर सईद इरवानी ने कहा कि दोनों देशों की ओर से ईरान और उसके नागरिकों पर क्रूर और व्यापक हमले किए जा रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र में दिए गए अपने बयान में इरावानी ने दावा किया कि इन हमलों में नागरिकों और नागरिक

ढांचे को जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। उनके अनुसार घनी आबादी वाले रिहायशी इलाकों में भारी बम गिराए जा रहे हैं, जिससे आम लोगों की जान जा रही है। ईरानी प्रतिनिधि ने आरोप लगाया कि कई शहरों में बिना भेदभाव के हमले किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि रिहायशी इलाकों, सार्वजनिक सुविधाओं और अन्य महत्वपूर्ण नागरिक संरचनाओं को निशाना बनाया गया है। उनके मुताबिक हमलों में 2000 पाउंड के बम तक इस्तेमाल किए जा रहे हैं, जो घनी आबादी वाले क्षेत्रों में भारी तबाही मचा रहे हैं। इरावानी ने कहा कि इन कार्रवाइयों का उद्देश्य नागरिकों को डराना और अधिकतम नुकसान पहुंचाना है। ईरान के अनुसार अब तक इस संघर्ष में 1,332 नागरिकों की मौत हो चुकी है, जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। इसके अलावा हजारों लोग घायल हुए हैं और यह आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है। इरावानी ने यह भी कहा कि देशभर में 180 से अधिक बच्चों की मौत हो चुकी है, जो स्थिति की गंभीरता को दर्शाता है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

जंग के बीच ईरानी राष्ट्रपति की पड़ोसी देशों से मांगी, भयानक धमाके से दहला तेहरान

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष दिन–प्रतिदिन और भयावह होता जा रहा है। अमेरिका और इस्राइल के भीषण हमलों से दहक रहा ईरान भी जोरदार पलटवार कर रहा है। मिसाइलों और ड्रोन की गरज के बीच यह संघर्ष अब आठवें दिन में प्रवेश गया है। पूरा क्षेत्र तनाव की चपेट में है। ऐसे में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का युद्ध को लेकर सख्त रवैया और खाड़ी देशों में बढ़ता संघर्ष, वैश्विक राजनीति के लिया बड़ा संकट साबित होता दिख रहा है।

लेबनानी स्वास्थ्य अधिकारियों ने शनिवार को कहा कि इस्राइली हवाई हमलों में कम से कम 16 लोग मारे गए और 35 अन्य घायल हो गए। ये हमले रात भर पहाड़ी कस्बे नबी चित में इस्राइल की ओर से किए गए थे। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह आंकड़ा उपलब्ध कराया। ईरान समर्थित उग्रवादी समूह हिज्बुल्ला ने कहा कि उसके लड़ाकों की पूर्वी लेबनान के पहाड़ों में शुक्रवार देर रात उतरे इस्राइली बल के साथ झड़प हुई। फिलहाल इस्राइल ने अभी तक वहां हो रही लड़ाई पर कोई टिप्पणी नहीं की है। तेहरान में भयानक हमले के बाद धमाके

का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक वीडियो में रात भर हुए इस्राइली हमलों को दिखाया गया है। इस्राइली सेना ने ईरान भर में व्यापक हमला किए है। वीडियो तेहरान के नाजी आबाद नाम के एक इलाके का बताया गया है।

ईरान के राष्ट्रपति का कहना है कि अब पड़ोसी देशों को टारगेट नहीं किया जाएगा, जब तक कि वहां से हमला न हो। राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने टेलीविजन पर प्रसारित अपने संबोधन में कहा कि ईरान ने पड़ोसी देशों पर हमले रोकने का फैसला किया है और उसका उन पर आक्रमण करने का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने क्षेत्रीय देशों से माफी मांगी और इस बात पर जोर दिया कि तेहरान दबाव में नहीं झुकेगा। पेजेशकियान ने कहा कि ईरान अपने पड़ोसियों की संप्रभुता का सम्मान करता है और मौजूदा तनाव के बावजूद क्षेत्र में स्थिरता चाहता है।

अल जजीरा ने रिपोर्ट किया है कि ईरान की राजधानी तेहरान में तेज धमाकों की आवाजें सुनाई देने की खबरें मिल रही हैं। सरकारी टेलीविजन के हवाले से बताया गया है कि राजधानी के कई हिस्सों में विस्फोटों की आवाज सुनी गई। हालांकि किन क्षेत्रों को निशाना बनाया गया, इसकी फिलहाल जानकारी साझा नहीं की गई।

ईरान के मध्य प्रांत इस्फहान पर अमेरिकी–इस्राइली हमलों में कम से कम आठ लोगों के मारे जाने की खबर है। तसनीम समाचार एजेंसी ने एक प्रांतीय अधिकारी के हवासे से बताया कि इस्फहान पर अमेरिका–इस्राइली हमलों में कम से कम आठ लोग मारे गए। इस्फहान प्रांत में राज्यपाल कार्यालय के एक सुरक्षा अधिकारी अकबर सालेही ने कहा, इन हमलों में एक महिला सहित आठ नागरिक शहीद हो गए।

सालेही ने कहा, अमेरिकी और इस्राइली शासन के लड़ाकू विमानों ने इस्फहान शहर और प्रांत के सात अन्य शहरों के इलाकों पर हमला किया। उन्होंने आगे कहा कि शहर के साथ–साथ लेनजान और बोरखर इलाकों में 80 घर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। अल जजीरा ने इस्राइली सेना के हवाले से बताया कि 80 लड़ाकू विमानों ने रात भर में ईरान पर 230 बम गिराए हैं। जिससे ईरान की राजधानी तेहरान सहित कई स्थानों पर भीषण विस्फोट हुए हैं। इजरायली सेना की रिपोर्ट के हवाले से बताया कि रात भर चले हमलों की लहर में 80 से अधिक लड़ाकू विमान शामिल थे, जिन्होंने कई सैन्य स्थलों पर 230 गोला–बारूद गिराए।

सेना के अनुसार इनमें आईआरजीसी का एक सैन्य विश्वविद्यालय, मिसाइल लॉन्चिंग ढांचा स्थल और बैलिस्टिक मिसाइलों के भंडारण और निर्माण के लिए एक भूमिगत स्थल शामिल थे।

हालांकि बयान में इनके स्थानों का जिक्र नहीं किया गया। इस्राइली सेना ने बताया कि आधी रात के बाद से ईरान की तरफ से पांच बैलिस्टिक मिसाइल दागी गई हैं। जिसका इस्राइल कड़ा जवाब दे रहा है। संयुक्त अरब अमीरात के रक्षा मंत्रालय का कहना है कि उसकी हवाई रक्षा प्रणाली वर्तमान में ईरान से आने वाली मिसाइलों और ड्रोन हमलों के खतरों का जवाब दे रही है। बताया गया है कि अमीरात के विभिन्न हिस्सों में सुनाई देने वाली आवाजें बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन को खत्म करने के लिए चलाया जा रहा ऑपरेशन है।

ईरान पर अमेरिकी–इस्राइली हमले जारी है। तेहरान सहित और देश के अन्य हिस्सों को निशाना बनाया जा रहा है। अल जजीरा से मिला ताजा अपेडट्स के मुताबिक ईरान की राजधानी के दो मुख्य हवाई अड्डों में से एक मेहराबाद को निशाना बनाया गया था। जहां आसपास का इलाका भी प्रभावित हुआ है। पूरे शहर में रात भर बड़े–बड़े विस्फोटों की आवाजें सुनाई देती रहीं, जिनकी झटकेदार लहरें राजधानी के विभिन्न इलाकों में आसानी से महसूस की जा सकती थीं। रिपोर्ट में बताया गया कि सिर्फ सैन्य क्षेत्र या राजनीतिक केंद्र ही नहीं आवासीय क्षेत्र, स्कूल और अस्पताल भी निशाने पर हैं। दुबई मीडिया कार्यालय ने सोशल मीडिया पर चल रही उन खबरों का खंडन किया है, जिनमें दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर किसी घटना की सूचना दी गई थी।

कौन हैं बालेन शाह? जिनकी सुनामी के आगे दिग्गज हुए पस्तय नेपाल का अगला प्रधानमंत्री बनना लगभग तय

काठमांडू ,एजेंसी। नेपाल की राजनीति में एक अभूतपूर्व उलटफेर की आहट सुनाई दे रही है। 5 मार्च को हुए आम चुनाव के नतीजे आने से पहले ही, पूर्व काठमांडू मेयर बालेन्द्र (बालेन) शाह की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) ने मतगणना में सुनामी की तरह बढ़त बना ली है। दशकों से सत्ता पर काबिज पारंपरिक राजनीतिक दलों को जनता ने जिस तरह हाशिए पर धकेला है, उससे साफ है कि नेपाल की राजनीति में 36 साल बाद किसी एक दल को प्रचंड बहुमत मिलने की ओर अग्रसर है। इस अभूतपूर्व जीत के साथ, बालेन शाह का अगला प्रधानमंत्री बनना लगभग तय माना जा रहा है। आइए जानते हैं नेपाल में युवा क्रांति का चेहरा बनने वाले बालेन शाह के बारे में... बालेन शाह का यह सफर आसान नही रहा है। साल 2022 में रैप की दुनिया से पहचान बनाने वाले स्ट्रक्चरल इंजीनियर बालेन शाह ने उस वक्त सबको चौंका दिया था, जब उन्होंने नेपाल के बड़े राजनीतिक दलों को हराकर काठमांडू के मेयर का पद जीता। उनका चुनाव चिह्न छड़ी था। उन्हें चुनाव में 61,767 वोट मिले। उन्होंने नेपाली कांग्रेस की सिर्जना सिंह को हराया, जिन्हें 38,341 वोट मिले थे। वहीं, सीपीएन–यूएमएल के उम्मीदवार और पूर्व मेयर केशव स्थापित को 38,117 वोट मिले। अब चार साल बाद 35 साल के बालेन शाह देश के सबसे युवा प्रधानमंत्री बनने की राह पर हैं। उनकी यह सफलता अचानक नहीं मिली है। साल 2013 में वह श्रॉ बर्जश रैप बैटल से मशहूर हुए थे। मेयर बनने से पहले उन्होंने ढाई साल तक जमीन पर काम किया। उन्होंने हिमालयन व्हाइट हाउस कॉलेज से इंजीनियरिंग की और भारत से मास्टर डिग्री ली। उनकी पढ़ाई और तकनीकी समझ ने जनता का भरोसा जीता। उनकी बेदाग छवि और भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त रुख ने उन्हें जनता का चहेता बना दिया है। वह सोशल मीडिया के जरिए सीधे जनता से बात करते हैं। वह युवाओं के बीच बहुत लोकप्रिय हैं। बालेन की राजनीतिक रणनीति बहुत सोची–समझी रही है। सितंबर के विरोध प्रदर्शनों में 77 लोगों की मौत के बाद केपी शर्मा ओली ने इस्तीफा दे दिया था। उस समय युवाओं ने बालेन को अंतरिम सरकार का नेतृत्व करने के लिए कहा। बालेन ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया और पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की का समर्थन किया। उन्होंने छह महीने की अस्थायी सरकार के बजाय पांच साल के पूर्ण कार्यकाल को चुना। 18 जनवरी 2026 को बालेन औपचारिक रूप से राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) में शामिल हो गए। उन्होंने अगले ही दिन जनकपुर से अपना चुनाव प्रचार शुरू किया। उन्होंने झापा–05 सीट से चुनाव लड़ने का फैसला किया। यह इलाका दिग्गज नेता केपी शर्मा ओली का गढ़ माना जाता है। जानकारों का मानना है कि बालेन की लोकप्रियता ओली के दशकों पुराने दबदबे को खत्म कर दी है।

ईरान पर नहीं रूकेंगे हमले': अमेरिका ने अब तक 3000 ठिकानों पर बरपाया कहर, 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' तेज, टपकमव जारी

काठमांडू ,एजेंसी। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने ईरान के खिलाफ अपने सैन्य अभियान को और तेज कर दिया है। मिलिट्री कमांड ने पुष्टि की है कि पिछले एक हफ्ते में ईरान के अंदर हजारों ठिकानों पर हमले किए गए हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी एक बयान में कमांड ने इस मिशन की जानकारी दी। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा कि ऑपरेशन के पहले हफ्ते में ही 3,000 से ज्यादा ठिकानों को निशाना बनाया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि वे अपनी कार्रवाई धीमी नहीं कर रहे हैं। इस सैन्य वृद्धि के साथ ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को ईरान से बिना शर्त आत्मसमर्पण की मांग की। उन्होंने कहा कि ईरान के आत्मसमर्पण के बिना कोई समझौता नहीं होगा। ट्रंप ने जोर दिया कि अमेरिका और उसके सहयोगी, खासकर इस्राइल, ईरान के नेतृत्व बदलने के बाद ही किसी समझौते पर विचार करेंगे। उन्होंने शमेक ईरान ग्रेट अगेनश का नारा भी दिया। ट्रंप ने कहा कि आत्मसमर्पण के बाद वे ईरान को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने में मदद करेंगे। ये घटनाक्रम 28 फरवरी को हुए अमेरिका–इस्राइल के संयुक्त सैन्य हमले के बाद आए हैं। इस हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई और अन्य वरिष्ठ नेता मारे गए थे। इसके जवाब में ईरान ने कई अरब देशों में अमेरिकी सैन्य ठिकानों और इस्राइली संपत्तियों पर ड्रोन व मिसाइल हमले किए। इस्राइल ने भी तेहरान और लेबनान में हिजबुल्लाह पर हमले जारी रखे हैं। खामेनेई की मौत के बाद, ट्रंप ने ईरान के अगले सर्वोच्च नेता के चयन में व्यक्तिगत रूप से शामिल होने की इच्छा जताई। उन्होंने वेनेजुएला के राजनीतिक घटनाक्रम में अपनी भागीदारी से इसकी तुलना की।

ईरान पर हमलों के बीच अमेरिका ने इस देश में की सैन्य कार्रवाई, नार्को-आतंकवाद के खात्मे का ऑपरेशन सफल

फ्लोरिडा, एजेंसी। इक्वाडोर में अमेरिकी और इक्वाडोरियन सेनाओं ने मिलकर नार्को–आतंकवादियों के खिलाफ सटीक और निर्णायक सैन्य अभियान चलाया। यह जानकारी अमेरिकी साउथर्न कमांड ने साझा की। साउथर्न कमांड के कमांडर जनरल फ्रांसिस एल. डोनोवन के निर्देशन में यह अभियान इक्वाडोरियन सुरक्षा बलों के सहयोग से संपन्न हुआ। अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ के आदेश पर यह कार्रवाई की गई। जनरल डोनोवन ने कहा ष्हम अपने साझेदारों के साथ मिलकर नार्को–आतंकवाद के खिलाफ आगे बढ़ रहे हैं। मैं संयुक्त सेनाओं और इक्वाडोरियन सशस्त्र बलों को इस सफल ऑपरेशन के लिए बधाई देता हूं। यह सहयोग और निर्णायक कार्रवाई पश्चिमी गोलार्ध के लिए रणनीतिक सफलता है, जो नार्को–आतंकवाद को रोकने के लिए प्रतिबद्ध हैं। साउथर्न कमांड के वरिष्ठ प्रवक्ता शॉन पार्नेल ने इक्वाडोर के राष्ट्रपति डेनियल नोबोआ और देश की सुरक्षा बलों की भागीदारी की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन ने नार्को–आतंकवादी आपूर्ति केंद्रों को बाधित किया और उनके लॉजिस्टिक नेटवर्क को कमजोर किया। पार्नेल ने आगे कहा इक्वाडोर के अनुरोध पर यह अभियान चलाया गया ताकि हमारे साझा उद्देश्य (नार्को–आतंकवादी नेटवर्क को समाप्त करना) को आगे बढ़ाया जा सके। यह कार्रवाई यह संदेश देती है कि नार्को–आतंकवादी हमारे क्षेत्र में पनाह नहीं पाएंगे।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।